CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186

राजस्थान,दिल्ली,छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित

RNI NO. RAJHIN/2023/89729

दैनिक मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com मो. 9653906665

अंक 02/120 | जयपुर | 19 मई /2025 | सोमवार | मूल्य: रु. 5 | पृष्ठ: 04

मदन राठौड़ और पीपी चौधरी को मिलेगा संसद रत्न पुरस्कार

देशभर से 17 सांसदों का हुआ चयन; संसद में उपस्थिति और उठाए गए मुद्दों पर सिलेक्शन

जयपुर।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ और पाली सांसद पीपी चौधरी को संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्राइम पॉइंट फाउंडेशन की ओर से संसद रत्न पुरस्कार-2025 की घोषणा कर दी गई हैं। देशभर के 17 लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को व्यक्तिगत और संसद की 2 स्थायी समितियों को उनके उत्कृष्ट काम के लिए सम्मानित किया जाएगा। इन सांसदों का चयन जूरी कमेटी द्वारा किया गया है। इसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहिर के द्वारा की गई थी। कमेटी ने महाराष्ट्र के 7, उत्तरप्रदेश, झारखंड, राजस्थान के 2 और उड़ीसा, तमिलनाडु, केरल और असम के एक-एक सांसदों का चयन किया हैं।

संसद में प्रदर्शन के आधार पर हुआ चयन

इन सांसदों का चयन संसद में उपस्थिति, डिबेट, पूछे गए सवालों की संख्या और उठाए गए मुद्दों के आधार पर किया गया हैं। इसके लिए जूरी कमेटी ने लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय के ऑफिशियल रिकॉर्ड का इस्तेमाल किया हैं। मदन राठौड़ और पीपी चौधरी का चयन 18वीं लोकसभा की पहली बैठक से लेकर बजट सत्र 2025 तक के उनके संसदीय प्रदर्शन को देखते हुए किया गया हैं। यह अवॉर्ड जुलाई के अंतिम सप्ताह में नई दिल्ली में आयोजित पुरस्कार समारोह में दिया जाएगा।

पिछले 15 सालों से दिए जा रहे अवॉर्ड

यह अवार्ड प्राइम पॉइंट फाउंडेशन और ई-मैग्जीन प्रीसेंस की ओर से साल 2010 में शुरू किया गया था। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने चेन्नई में पहले अवॉर्ड समारोह का उद्घाटन किया गया था। हंसराज गंगाराम अहीर को पहला सांसद रत्न पुरस्कार मिला था। साल 2024 तक फाउंडेशन 14 अवॉर्ड समारोह में 125 पुरस्कार प्रदान कर चुका हैं।

विधानसभा में पार्टी ने नहीं दिया था टिकट

मदन राठौड़ ने विधानसभा चुनाव-2023 में सुमेरपुर से टिकट मांगा था, लेकिन पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया। इसके बाद उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने की तैयारी कर ली थी। हालांकि उस वक्त उन्हें पीएम नरेंद्र मोदी ने फोन करके काम करते रहने को कहा था। फरवरी महीने में उन्हें राज्यसभा में भेज दिया गया था।

पीएम मोदी के नजदीकी हैं मदन राठौड़

मदन राठौड़ पीएम मोदी के पुराने परिचित हैं। लंबे समय से संगठन में सक्रिय राठौड़ ने बीजेपी के दिग्गज नेताओं के साथ काम किया हैं। जनसंघ से लेकर बीजेपी की यात्रा में शामिल रहे हैं। बीजेपी की पुरानी और नई पीढ़ी दोनों के साथ काम करने का अनुभव रखते हैं। राठौड़ मूल ओबीसी में घांची जाति से हैं।

इस तरह से होता है सिलेक्शन

संसद रत्न पुरस्कार पूरी तरह से सांसदों के कार्य प्रदर्शन पर आधारित होता है। नामांकन के लिए लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय तथा पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च से प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों का विश्लेषण किया जाता है।

इनमें निम्नलिखित मुख्य मापदंड होते हैं:

* संसद में भागीदारी
* पूछे गए प्रश्नों की संख्या
* प्रस्तुत निजी विधेयकों की संख्या
* बहसों में भागीदारी

नामांकन और चयन की प्रक्रिया राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर की अध्यक्षता वाली जूरी समिति द्वारा की जाती है, जिसमें पूर्व पुरस्कार विजेता सांसद, नागरिक समाज के प्रतिनिधि और संसदीय मामलों के विशेषज्ञ शामिल होते हैं।

खैरथल में पूर्व केंद्रीय मंत्री और नेता प्रतिपक्ष जूली ने की संयुक्त प्रेसवार्ता, केंद्र और प्रदेश की भजनलाल सरकार पर जमकर साधा निशाना

खैरथल में भू- माफिया जनता को बड़े सपने दिखाकर लूटने का कर रहे है काम : टीकाराम जूली

खैरथल- तिजारा जिले में चंडीगढ़ की तर्ज पर विकास करने के दावे जमीनी स्तर पर हो रहे खोखले साबित

भू- माफियाओं के द्वारा तहसीलों में करवाई गई रजिस्ट्रियों की हो जांच

भाजपा सरकार कार्यालयों को खैरथल से बाहर ले जाने की फिराक में तो नहीं है..

बजट स्वीकृत होने के बाद भी खैरथल - तिजारा जिले में नहीं हुआ एक रुपए का भी विकास

मरुधर विशेष

मोहम्मद शकील/विजय सिंह खैरथल। शहर के इस्माइलपुर रोड़ पर स्थित एक निजी होटल पर रविवार को कांग्रेस के पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह और राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर केंद्र और प्रदेश की भजनलाल सरकार पर जमकर निशाना साधा, खैरथल- तिजारा जिले में बजट स्वीकृत होने बाद भी विकास कार्यों में की जा रही देरी, प्रदेश के खैरथल- तिजारा जिले में चंडीगढ़ की तर्ज पर विकास करने के दावे जमीनी स्तर पर हो रहे खोखले साबित, बजट स्वीकृत होने के बाद भी खैरथल - तिजारा जिले में नहीं हुआ एक रुपए का भी विकास, जताई नाराजगी कहीं भाजपा सरकार के जिला मुख्यालय बदलने की मनसा तो नहीं है..? कांग्रेस के प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली ने कहा खैरथल को जिला मुख्यालय घोषित हुए दो वर्ष हो गये है राज्य सरकार ने जिला मुख्यालय के लिये बजट भी घोषित कर दिया है। जिला स्तर पर कार्यालयों के लिये भूमि को चिन्हित भी कर लिया है, परन्तु मिनी सचिवालय का कार्य शुरू नहीं हुआ है, सरकार सरकारी कार्यालयों के लिए जमीन का आवंटन क्यों नहीं कर रही है। इसको लेकर जनता में एक भ्रांति भी फैली हुई है, कहीं भाजपा सरकार सरकारी कार्यालयों को खैरथल से बाहर ले जाने की फिराक में तो नहीं है। जबकि भाजपा के नेता खैरथल में सभा कर कभी चंडीगढ़ की तर्ज पर तो कभी गुरुग्राम की तर्ज पर खैरथल की विकास की बात कर रहे थे, भाजपा की सरकार इस पर जवाब दे खैरथल से कार्यालय बाहर जायेंगे या खैरथल में ही रहेंगे..? जबकि खैरथल में जमीन उपलब्ध है, इस दौरान उन्होंने कहा कि खैरथल में भू- माफिया जनता को बड़े सपने दिखाकर लूटने का काम कर रहे जिसमें स्थानीय और दिल्ली, हरियाणा के भू- माफिया शामिल है। राज्य सरकार व मुख्यमंत्री से निवेदन है इस और संज्ञान ले और इसकी जांच करवाएं, कहीं यहां की जनता की जमीनों पर कोई घोटाला तो नहीं किया जा रहा है। ऐसा क्या कारण है जो जमीनों का आवंटन नहीं हो पा रहा है। इस दौरान जूली ने भू- माफियाओं के द्वारा तहसीलों में करवाई गई रजिस्ट्रियों की जांच होने की बात भी कही है। प्रेसवार्ता के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र ने भी केंद्र और प्रदेश की भजनलाल सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री और अलवर सांसद भूपेंद्र यादव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी है लेकिन खैरथल- तिजारा जिले में विकास करने में उनकी भी कोई रुचि दिखाई नहीं दे रही है, यहां विकास तो दूर की बाद जनता पीने के पानी के लिए भी तरस रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने कोटकासिम में नेशनल एयरपोर्ट कैंसिल कर क्षेत्र का होने वाला विकास पूरी तरह से खत्म कर दिया। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव क्षेत्र में विकास कार्य कराएं। गहलोत सरकार ने चहुंओर विकास की गंगा बहा दी थी लेकिन भाजपा सरकार द्वारा उनके कार्यकाल के दौरान किए गए विकास कार्यों ओर स्वीकृत किए गए बजट को खत्म किया जा रहा है जिसको लेकर जनता और कांग्रेस कार्यकर्ताओं सहित जनता में में काफी रोष है। इस दौरान भंवर जितेंद्र सिंह ने पाकिस्तान और भारत के बीच बड़े तनाव ओर सीज फायर पर भी निशाना साधा।

किशनगढ़ बास विधायक दीपचंद खैरिया और मुंडावर विधायक ललित यादव सहित अलवर जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने भी भजन लाल सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि खैरथल- तिजारा जिले में विकास कार्य में हो रही देरी से जनता में काफी रोष है। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गिरीश डाटा, नगर परिषद खैरथल में प्रतिपक्ष नेता विक्रम चौधरी, किशनगढ़ बास प्रधान बीपी सुमन, दयाराम चावड़ा,तिजारा के पूर्व विधायक संदीप यादव, इमरान खान, बहरोड के संजय यादव, संजीव बारेठ, बलराम यादव, रोहतास चौधरी, अखिलेश कौशिक, श्रम विभाग सलाहकार समिति पूर्व सदस्य दौलत नागर, युवा नेता संदीप कुमार, पूर्व सरपंच जलाराम,जयप्रकाश हेड़ाऊ,नारायण छंगाणी, जाजन मुलानी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ओर पदाधिकारियों ने पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का फूलमाला और साफा पहनकर भव्य सम्मान स्वागत किया। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं और गणमान्य लोगों ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गिरीश डाटा को जन्मदिन की बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

रात 12 बजे चौकी पर पहुंचे वन-मंत्री, वनकर्मी सोते मिले:बोले- सरकार सोने की तनख्वाह देती है या ड्यूटी करने की, रजिस्टर चेक किया

अलवर

अलवर में वन मंत्री संजय शर्मा ने शनिवार की देर रात वन चौकी का औचक निरीक्षण किया। रात करीब 12 बजे वन मंत्री अचानक कुशालगढ़ और थैंक्यू बोर्ड नाके पर पहुंचे। इस दौरान एक नाके पर कर्मचारी सोता मिला तो वन मंत्री ने फटकार लगाई। उन्होंने कहा- सो रहे हो। सरकार सोने की तनख्वाह देती है या ड्यूटी करने की। इसके बाद अन्य कर्मचारियों की ड्यूटी का पता किया। बाद में रजिस्टर व कार्यालय का भी निरीक्षण किया।

वहीं कुशालगढ़ में रजिस्टर चेक किया और दूसरे कर्मचारियों के बारे में भी डिटेल ली। उन्होंने कर्मचारियों के कम मिलने पर कारण पूछा। इसके बाद रात एक बजे सरिस्का वन चौकी पहुंचे, जहां होम गार्ड सोता हुआ। हालांकि मंत्री के पहुंचने पर गार्ड कुछ ही देर में खड़ा हो गया।

हालांकि इस बीच आधी रात वन मंत्री को देखते ही तैनात होम गार्ड घबरा गए और अपनी सफाई देने लगे। वन मंत्री ने रजिस्टर और कर्मचारियों के बारे में पूछताछ की, फिर चेक पोस्ट पर सभी कर्मचारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए।

19 मई को अलवर में सीएम का कार्यक्रम

जानकारी के अनुसार, अलवर में सोमवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। ऐसे में सीएम के तय शेड्यूल से एक दिन पहले वन मंत्री ने रात को चौकियों का निरीक्षण किया और कर्मचारियों को मुस्तैदी से ड्यूटी करने के निर्देश दिए। सीएम अलवर सरस डेयरी परिसर में किसान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इस दौरान कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, वन मंत्री संजय शर्मा सहित कई मंत्री व नेता सहित बड़ी संख्या में किसान पहुंचेंगे।

बता दें कि बीते दिनों अलवर में वन मंत्री संजय शर्मा ने सरिस्का की टहला रेंज के घाटला ऑफिस का औचक निरीक्षण किया था, जहां दो कर्मचारी दिन में ही चादर तानकर सोते मिले थे।

राजस्थान के दो सांसदों को मिलेगा संसद रत्न पुरस्कार

जयपुर। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ और पाली सांसद पीपी चौधरी को संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्राइम पॉइंट फाउंडेशन की ओर से संसद रत्न पुरस्कार-2025 की घोषणा की गई है।

देशभर के 17 लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को व्यक्तिगत और संसद की 2 स्थायी समितियों को

उनके उत्कृष्ट काम के लिए सम्मानित किया जाएगा। इन सांसदों का चयन कमेटी ने किया है। इसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर ने की थी। कमेटी ने महाराष्ट्र के 7, उत्तरप्रदेश, झारखंड, राजस्थान के 2 और ओडिशा, तमिलनाडु, केरल और असम के एक-एक सांसद का चयन किया है।

इन सांसदों का चयन संसद में उपस्थिति, डिबेट, पूछे गए सवालों की संख्या और उठाए गए मुद्दों के आधार पर किया गया है।

हैदराबाद में दर्दनाक हादसा, 17 की मौत

चारमीनार के पास बिल्डिंग में आग: मृतकों में 8 बच्चे भी थे, पीएम मोदी ने घटना पर जताया दुख

एजेंसी

हैदराबाद। हैदराबाद में चारमीनार के पास गुलजार हाउस में रविवार सुबह एक इमारत में आग लग गई। हादसे में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 8 बच्चे भी शामिल हैं। घटना के समय इमारत में 30 से ज्यादा लोग मौजूद थे। इनमें से 15 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया।

फायर ब्रिगेड की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं। आग बुझाने के लिए दमकलकर्मियों को 2 घंटे मशक्कत करनी पड़ी। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है, लेकिन अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, हादसे में संपत्ति के नुकसान का अंदाजा भी नहीं लगाया जा सका है।

फायर डिपार्टमेंट का कहना है कि सुबह 6:16 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। कई लोग बेहोशी की हालत में मिले और करीब 10 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस के मुताबिक, बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर ज्वेलरी की दुकानें थीं और ऊपर के फ्लोर पर लोग रहते थे। आग दुकानों में लगी और ऊपर तक फैल गई। बिल्डिंग में सिर्फ एक संकरी सीढ़ी थी, जिससे लोग बाहर नहीं निकल सके और दम घुटने से मौत हो गई।

पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताया

घटना पर पीएम मोदी ने गहरा दुख जताया है। पीएमओ ने एक्स पर लिखा - 'हैदराबाद में आग की घटना में लोगों की मौत से बहुत दुख हुआ। जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उन्हें संवेदनाएं। घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करता हूं।' पीएम राहत कोष से मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की मदद दी जाएगी।

तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि आग सुबह करीब 6 बजे लगी और 6:16 बजे तक फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई थी। टीम ने सभी को बचाने की कोशिश की, लेकिन आग बहुत तेजी से फैल चुकी थी।

उन्होंने बताया कि इमारत में रहने वाले ज्यादातर लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार से बात की है और सरकार की ओर से हरसंभव मदद देने का भरोसा दिया है।

चश्मदीद जाहिद ने बताया कि आग इतनी भीषण थी कि मुख्य दरवाजे से अंदर नहीं जा सके, शटर और दीवार तोड़कर पहली मंजिल पहुंचे, लेकिन सब जल चुका था। फायर ब्रिगेड ने अच्छा काम किया, पर आग तेज थी। सभी मृतक एक ही परिवार के थे, पीछे से कोई रास्ता नहीं था।

पाकिस्तान में लश्कर आतंकी सैफुल्लाह मारा गया

एजेंसी

नईदिल्ली। लश्कर-ए-तैयबा और जमात का आतंकवादी रजुल्लाह निजामनी उर्फ अबू सैफुल्लाह मारा गया है। सैफुल्लाह को पाकिस्तान के सिंध में मतली फलकारा चौक के पास अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी।

सैफुल्लाह नेपाल में लश्कर के मॉड्यूल पर काम कर रहा था। वह नेपाल में विनोद कुमार के नाम से काम करता था। उसने नेपाली महिला नगमा बानू से शादी की थी। सैफुल्लाह भारत में आतंकियों की घुसपैठ और आर्थिक मदद जुटाने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम दे रहा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सैफुल्लाह लश्कर के ऑपरेशनल कमांडर आजम चीमा उर्फ बाबाजी का सहयोगी था।

वेटिकन में पोप लियो 14वें का शपथ समारोह पूरा, पूरी दुनिया में एकता की अपील की

एजेंसी

वेटिकन सिटी। पोप लियो 14वें ने रविवार को एकता के लिए काम करने की कसम खाई ताकि कैथोलिक चर्च दुनिया में शांति का प्रतीक बन सके। सेंट पीटर्स स्क्वायर में शपथ समारोह में अनुमानित दो लाख लोगों के समक्ष यह संदेश दिया। पोप लियो 14वें ने अपनी पहली प्रार्थना सभा में गाजा, यूक्रेन और म्यांमार का जिक्र किया।

पोप लियो वेटिकन के इतिहास में पहले अमेरिकी पोप हैं। पोप लियो ने रविवार को आधिकारिक तौर पर पोप पद ग्रहण किया। उनके शपथ समारोह में दुनिया भर के कई दिग्गज नेता शामिल हुए।

शपथ समारोह में ट्रक पर सवार 69 वर्षीय ऑगस्टीनियन मिशनरी ने मुस्कुराते हुए हाथ हिलाया और भीड़ में मौजूद बच्चों को आशीर्वाद देने के लिए रुके।

पोप लियो शपथ समारोह करीब दो घंटे तक चला। इस दौरान पोप को धार्मिक वस्त्र और अंगूठी पहनाई गई। धार्मिक वस्त्र और अंगूठी दिए जाने के बाद पोप लियो भावुक हो गए। कैथोलिक परंपरा के अनुसार अंगूठी यह संकेत होती है कि पोप कैथोलिक चर्च के प्रमुख और सेंट पीटर के उत्तराधिकारी हैं। जबकि धार्मिक वस्त्र नए पोप के पद ग्रहण करने का प्रतीक है।

हाथ में झंडा थामे, खुद अमित शाह ने 'तिरंगा यात्रा' का किया नेतृत्व, वीर सैनिकों को किया सम्मानित

शाह के नेतृत्व में 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के सम्मान में वीर सैनिकों के लिए निकाली तिरंगा यात्रा

एजेंसी

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद में एक 'तिरंगा यात्रा' में भाग लिया और उसका नेतृत्व किया, जो ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारतीय सशस्त्र बलों का सम्मान करने के लिए आयोजित की गई थी। 'तिरंगा यात्रा' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा शुरू की गई एक व्यापक पहल का हिस्सा है, जो 13 मई से 23 मई तक चल रही है।

अमित शाह ने ऑपरेशन सिंदूर की महत्वपूर्ण सफलता पर प्रकाश डाला, अमित शाह ने कहा कि 'देश के वीर जवानों ने अपनी वीरता से ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के खात्मे का पर्याय बना दिया है। इस ऑपरेशन की ऐतिहासिक सफलता पर जवानों के सम्मान में गांधीनगर लोकसभा में तिरंगा यात्रा का उद्देश्य भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्वीकार करना है और जनता को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में सूचित करना है, जो देश में आतंकवाद के खिलाफ एक महत्वपूर्ण जीत का प्रतिनिधित्व करता है।

यात्रा के अलावा, अमित शाह ने गुजरात यात्रा के दौरान कई अन्य कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने मेहसाणा जिले के गोजरिया क्षेत्र में केके पटेल और मधुबेन के पटेल नर्सिंग कॉलेज के

एक नए भवन का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, शाह ने क्षेत्र में शिक्षा के महत्व और योगदान पर जोर दिया।

इसके बाद, केंद्रीय मंत्री ने अहमदाबाद में गुजरात राज्य सहकारी संघ द्वारा आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित किया। सम्मेलन का विषय था 'विकसित भारत के निर्माण में सहकारिता की भूमिका'।

यहां, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र में प्रगति को रेखांकित किया।

अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार के अधीन, सहकारिता गरीबों, वंचितों और किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उन्होंने 'त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय' की स्थापना, प्राथमिक कृषि साख समितियों (पीएसीएस) को सशक्त बनाने और डेयरी सहकारी समितियों को पुनर्जीवित करने जैसी कई पहलों का उल्लेख किया।

'मोदी सरकार में सहकारिता गरीबों, वंचितों और किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। आज अहमदाबाद में गुजरात राज्य सहकारी संघ द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में सहकारिता से जुड़े भाइयों और बहनों के साथ बातचीत की।

इसके अलावा, अमित शाह ने 'सहकारिता संकल्प' नामक एक पुस्तक के विमोचन की घोषणा की, जो सहकारिता के माध्यम से विकसित भारत, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और डिजिटलीकरण जैसे विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा, ''चाहे वह 'त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय' की स्थापना हो, पैक्स का सशक्तिकरण हो या डेयरी सहकारी संघ को नया जीवन देना हो, देश की सहकारिता व्यवस्था पूरी ताकत के साथ आगे बढ़ रही है।''

बयानबाजी से बाज आयें बड़बोले नेता...

विनोद कुमार सिंह

भारतीय राजनीति के गलियारों मे चिंता व चिन्तन होने लगा है कि राजनीतिक दल अपने नेताओं को केवल चुनाव जिताने वाली मशीनें न समझें,बल्कि उन्हें संवैधानिक जिम्मेदारी, नेता अपनी भाषा की मयार्दा और सामाजिक समरता व संतुलन का पाठ पढ़ाएं। चुनाव आयोग को भी ऐसे बयानों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कठोर निर्देश और दंड का प्रावधान करना चाहिए ताकि यह संदेश स्पष्ट हो जाए कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है। ऐसे बयान बाज बड़बोले नेता से बिगड़ बोल से जनता भारी आक्रोश व्याप्त है।

भारतीय राजनीति के गलियारों मे चिंता व चिन्तन होने लगा है कि राजनीतिक दल अपने नेताओं को केवल चुनाव जिताने वाली मशीनें न समझें, बल्कि उन्हें संवैधानिक जिम्मेदारी,नेता अपनी भाषा की मयार्दा और सामाजिक समरता व संतुलन का पाठ पढ़ाएं... चुनाव आयोग को भी ऐसे बयानों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कठोर निर्देश और दंड का प्रावधान करना चाहिए ताकि यह संदेश स्पष्ट हो जाए कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है।ऐसे बयान बाज बड़बोले नेता से बिगड़ बोल से जनता भारी आक्रोश व्याप्त है...

सम्पूर्ण विश्व का ध्यान इन दिनों भारत पर टिकी हुई है। विशेषकर अन्तराष्ट्रीय राजनीति विशेलषज्ञों का,विगत दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत पाक युद्ध से जो स्थिति उत्पन्न हुई थी। जिसमें हमारी पराक्रमी सेनाओं नें आतंकी के आकाओं पाकिस्तान के सरजर्मी में घुस कर उनके ठिकानों जमींदोष कर दिया है। जिसके बाद हमारे सेनाओं व देश - विदेशों में की जय जयकार हो रही थी,तभी मध्य प्रदेश के एक बड़ बोले भाजपा के कैबनेट मंत्री नें एक जन सभा में गैर जिम्मेदार ब्यान बाजी का बेसुरा राग अलाप दिया। यह मामला मध्य प्रदेश के उच्च न्यायलय में पहुँच गया।परिणाम की गंभीरता को भापते हुए कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी को लेकर भाजपा मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने दिया।

उच्च न्यायलय ने पुलिस महानिदेशक को आदेश दिया कि आज शाम 6 बजे तक एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर न्यायालय की अवमानना अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी।वही मंत्री के वकील ने तर्क दिया कि अदालत का आदेश पूरी तरह से अखबारों की रिपोर्टों पर आधारित था।अदालत ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता(बीएनएस)की धारा 196,जो धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी भड़काने वाले भाषणों या कार्यों को दंडित करती है, इस मामले में प्रथम द्दष्टया लागू होती है। मध्य प्रदेश में मंगलवार को उस समय राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया।राज्य के आदिवासी मामलों के मंत्री विजय शाह ने ऑपरेशन सिंदूर पर मीडिया को जानकारी देने वाली दो महिला सैन्य अधिकारियों में से एक कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में टिप्पणी की।कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने टिप्पणी को 'शर्मनाक और अश्लील' कहा। विपक्ष की ओर से व्यापक निंदा और अपनी ही पार्टी के भीतर आलोचना के बाद उन्होंने मंगलवार को माफी मांगी।कर्नल सोफिया कुरैशी का स्पष्ट संदर्भ देते हुए शाह ने कहा, जिन्होंने हमारी बेटियों को विधवा बनाया,हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी अपनी बहन को भेजा।ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने के बाद से कुरैशी ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री के साथ मीडिया को कई बार जानकारी दी थी। वही राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी कर्नल सोफिया कुरैशी के प्रति अपमान जनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है तथा समाज से सशस्त्र बलों में सेवारत महिलाओं के प्रति सम्मान दिखाने का आह्वान किया है।हालांकि एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया,लेकिन उनकी टिप्पणी मध्य प्रदेश के मंत्री द्वारा कर्नल कुरैशी के खिलाफ की गई टिप्पणी से उपजे जनाक्रोश के बाद आई है।उन्होंने कहा,यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ जिम्मेदार व्यक्तियों द्वारा ऐसे बयान दिए जा रहे हैं जो महिलाओं के प्रति अपमानजनक और अस्वीकार्य हैं। इससे न केवल हमारे समाज में महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचती है,बल्कि देश की उन बेटियों का भी अपमान होता है जो देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभा रही हैं। आप को बता दे कि उच्च न्यायालय के आदेश पर मंत्री पर एफ आई आर दर्ज होने के बाद उन्होंने सर्वोच्च न्यायलय का दरवाजा खटखटाया।जहाँ विजय शाह के द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए विवादित बयान पर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है।इसके साथ सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के द्वारा दिए गए एफआईआर के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जिसके बाद मंत्री विजय शाह की मुश्किलें बढ़ीं,सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप एक मंत्री है,ऐसे संवेदन शील वक्त में एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को सोच समझकर बोलना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि आप जानते हैं ना कि आप कौन हैं? इस पर विजय शाह ने वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल ने माफी मांग ली है।मीडिया ने उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया है।उनके वकील ने कहा कि हाई कोर्ट ने ऑर्डर पास करने से पहले हमें नही सुना गया।सीजेआई ने कहा कि आप हाई कोर्ट के समक्ष क्यों नहीं गए जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सर्वविदित रहे कि विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर एक बयान दिया था। उन्होंने एक जनसभा में कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम लेकर विवादित बयान दिया था। इस पूरे मामले पर विवाद गहराने के बाद विजय शाह ने आजतक से बातचीत के दौरान माफी मांगते हुए कहा था कि मैं सपने में भी कर्नल सोफिया बहन के बारे में गलत नहीं सोच सकता। न ही मैं सेना के अपमान की बातें सपने में सोच नही सकता हुँ। सोफिया बहन ने जाति और धर्म से ऊपर उठकर देश की। इसी बीच एक और विवाद खड़ा हुआ जब मध्य प्रदेश केउपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने एक सभा में अपने बड़ बोलेपन कह दिया कि 'पूरा देश और सेना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चरणों में नतमस्तक है।' जो हमारी भारतीय सेना की गरिमा पर सीधा प्रहार था। देश की सेना एक संवैधानिक संस्था है,तीनों सेना के महामहिम राष्ट्रपति होता,जिसका स्पष्ट उल्लेख संविधान में वर्णित है।देश की सेना न किसी राजनीतिक दल की है,न किसी व्यक्ति विशेष की होती है।जो अपने राष्ट्र के प्रति समर्पित होती है। उसका समर्पण संविधान,राष्ट्र और उसकी अखंडता के प्रति है किसी नेता या सरकार के प्रति नहीं।सम्पूर्ण विपक्ष ने इस पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि भाजपा अपनी 'व्यक्ति पूजा' की राजनीति में सेना जैसे पवित्र संस्थान को भी लपेटने से नहीं चूकती।उत्तर प्रदेश में भी राजनीतिक बयानबाजी ने नई हदें पार कीं जब समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने भारतीय वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह के लिए जातिसूचक टिप्पणी की।बल्कि यह सामाजिक ताने-बाने को भी छिन्न-भिन्न करने वाली थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने इसे सेना और समाज दोनों का अपमान करार दिया।भाजपा के कई अन्य नेताओं ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी।वहीं,रामगोपाल यादव ने बाद में सफाई दी कि उन्होंने ऐसा किसी दुर्भावना से नहीं कहा, लेकिन सवाल फिर वही उठता है क्या इतने वरिष्ठ नेता को यह नहीं पता कि सार्वजनिक मंच से जातिसूचक शब्द कहना सामाजिक और संवैधानिक दोनों स्तरों पर अपराध है? भारतीय राजनीति के गलियारों मे चिंता व चिन्तन होने लगा है कि राजनीतिक दल अपने नेताओं को केवल चुनाव जिताने वाली मशीनें न समझें,बल्कि उन्हें संवैधानिक जिम्मेदारी, नेता अपनी भाषा की मयार्दा और सामाजिक समरता व संतुलन का पाठ पढ़ाएं। मेरा मानना है कि चुनाव आयोग को भी ऐसे बयानों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कठोर निर्देश और दंड का प्रावधान करना चाहिए ताकि यह संदेश स्पष्ट हो जाए कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है। ऐसे बयान बाज बड़बोले नेता से बिगड़ बोल से जनता भारी आक्रोश व्याप्त है। बही हमारी सेना जो अपने घर परिवार से दुर शरहदों पर दिन राष्ट्र सेवा में ना केवल लग रहते है - वे भारत मॉ की आन बान व शान के लिए मर मिटने को हमेशा तैयार रहते है।भारत माँ की रक्षा में अपने प्राणों को निछावर कर देते है। क्या ये बयान बाज बड़ बोले नेताओं को जनता जनार्दन उसे इन्हीं दिनों के लिए अपना बहुमूल्य मत दे संबैधानिक पदों पर सुशोमित किया है। कई सबाल के जबाव जनता नेता पूछती है।

संपादकीय

दुरुपयोग पर मिले सजा

सुप्रीम कोर्ट ने फिर से दहेज कानूनों के दुर्भावनापूर्वक इस्तेमाल पर निराशा व्यक्त की है। वैवाहिक मामलों में पत्नी द्वारा पति बुजुर्ग माता-पिता सहित अन्य परिजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न व क्रूरता के प्रावधानों को लेकर पीठ ने कहा, क्रूरता शब्द का पक्षकारों द्वारा क्रूरतापूर्वक इस्तेमाल किया जाता है। इसे विशिष्ट उदाहरणों के बिना सरलता से स्थापित नहीं किया जा सकता। खास तिथि, समय या घटना का उल्लेख किये बगैर इन धाराओं को जोड़ने की प्रवृत्ति को अदालत ने मामले को कमजोर करने वाला बताया। यह फैसला इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश की अपील के खिलाफ आया, जिसमें एक शख्स को दोषी ठहराया गया था। शीर्ष अदालत ने आईपीसी की धारा 498 (क्रूरता) और दहेज निषेध अधिनियम 1961 की धारा चार के तहत अपराधों में उसे बरी कर दिया।

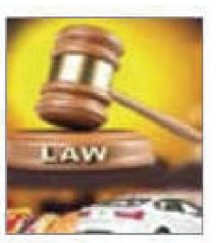

इन दोनों धाराओं के तहत पत्नियों द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से दुरुपयोग पर अदालत ने पति के बुजुर्ग माता-पिता, दूर के रिश्तेदार, अलग रह रही विवाहित बहनों को भी आरोपी बनाए जाने पर सवाल किया, जिससे गंभीर संदेह उत्पन्न होता है। यह शादी एक साल भी नहीं टिकी थी और दिसम्बर 1999 में पति व ससुरालियों पर दहेज की मांग, क्रूरता, शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न के आरोप साबका बीवी द्वारा लगाए गए थे। गैर-कानूनी होने के बावजूद भारतीय समाज में 95प्र. शादियों में दहेज का खुलकर लेन-देन होता है। यह सच है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाली इस पारिवारिक हिंसा से बचाने के लिए बनाए गए दहेज विरोधी कानूनों का दुरुपयोग भी हो रहा है। मगर इस आधार पर न तो इन्हें कमजोर किया जा सकता है, न ही दहेज हत्याओं की अनदेखी की जा सकती है। बेहतर हो कि विवाह-विच्छेदन के नियमों को अधिक व्यावहारिक बनाया जाए। जहां स्वेच्छापूर्वक या बगैर किन्हीं आरोपों-प्रत्यारोपों के एक-दूसरे से अलग होने के प्रावधान हों। बिला-वजह इन धाराओं को जोड़ने में पुलिस व वकीलों का बड़ा हाथ होता है। अधिक से अधिक ससुरालियों को जबरन उलझाने के प्रति पुलिस व वकीलों को अपने स्तर पर सुलटना चाहिए। पीड़िता के प्रति सहानुभूति रखने के बावजूद द्वेषपूर्ण प्रक्रिया से बचने का प्रयास किया जाना चाहिए।

सूक्ति

स्व प्रेरित होकर कार्य करना किसी बुद्धिमान व्यक्ति का सबसे मज़बूत गुण होता है। - अज्ञात

साफ़ सुथरे सादे परिधान में ऐसा यौवन होता है जिसमें अधिक उम्र छिप जाती है। - अज्ञात

चिंतन-मनन

चिंतन सही हो

एक व्यक्ति ने अपने मित्र से साठ रूपए उधार लिए। कुछ दिनों बाद वह आया और बीस रूपए देकर बोला, सारे रूपए आ गए? मित्र ने कहा, साठ दिए थे और तुम बीस लौटा रहे हो, तो अभी चालीस रूपए बाकी रहेंगे। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, नहीं, दस और दस साठ होते हैं। मैंने साठ रूपए लौटा दिए हैं। मित्र ने कहा, भोले आदमी! दस और दस बीस ही होते हैं। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, मैं इस बात को नहीं मानता। मैं तो यही मानता हूं कि दस और दस साठ होते हैं। मेरी मान्यता मेरे पास और तुम्हारी मान्यता तुम्हारे पास।

ऐसे मानने वाले को विधाता भी नहीं समझा सकता। गणित का नियम -दस और दस बीस होते हैं। कोई व्यक्ति इस गणित के नियम को जानने की बात छोड़कर मानने की बात को ही पकड़ बैठता है तो उसका कोई इलाज नहीं है। हम मानने की बात को छोड़ दें और जानें। सदा जानने का प्रयत्न करें। सदा जानें। हम विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रयत्न करें। वे प्राप्त हों तो ठीक है, न हों तो कोई बात नहीं। पुरूषार्थ को सही दिशा में लगाएं। पुरूषार्थ निरंतर हमारा साथ दे। हम प्रयत्न को बंद न करें।

पुरूषार्थ को साथ लेकर चलें। मन और शरीर को विशेष आदेश दें। मन जो भटकता रहता है, अनेक प्रवृत्तियों में संलग्न रहता है, बहुत अधिक सक्रिय और गतिशील है, उस पर हम कुछ नियंत्रण करें। मन की सक्रियता को कम करें।

खेल कूद और देश की प्रतिष्ठा जवानों के नाम

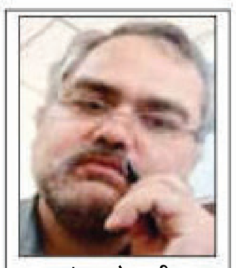

संजय गोस्वामी

देश की प्रतिष्ठा जवानों के नाम है सबसे बड़ा खिलाड़ी देश के सैनिक हैं खेल कूद मानव जीवन के लिए एक वरदान है जो उसे स्वस्थ्य रखने के लिए उपहार स्वरूप मिली है खेल में भाग लेने से सबसे पहला लाभ स्वास्थ्य ही है क्योंकि खेल का मैदान वह स्थान है जो स्वास्थ्य पर एक स्थायी छाप छोड़ता है यह शरीर का एक ऐसा ढ़ाचा तैयार करता है जो चुस्त फुतीर्ला और बलिष्ठ होता है खेल शरीर को स्वस्थ और स्फूर्तिमय बनाये रखता है खेल कूद के दौरान शरीर के लगभग सभी अंगों का व्यायाम हो जाता है, शारीरिक व्यायाम को विभिन्न कारणों से किया जाता है जिसमें मांसपेशियों और हृदयतंत्री प्रणाली को सुदृढ़ बनाना, एथलीटिक कौशल को बढ़ाना, वजन घटाना या उसे बनाए रखना तथा मनोरंजन आदि शामिल हैं। अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम आवश्यक है। यदि किशोर शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं हैं तो उनके बीमार होने का जोखिम बहुत है।बार बार और नियमित रूप से किया गया व्यायाम प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है और हृदय रोग, हृदयतंत्री रोग टाइप टू का मधुमेह तथा मोटापे जैसी जीवन शैली से संबंधित बीमारियों की रोकथाम में सहायता करता है। शरीर की मांसपेशिया सुदृढ़ बनती है और काया निरोगी रहती है एक प्राचीन कहावत है ह्लपहला सुख निरोगी कायाह्ल सत्य ही है कि निरोग शरीर जीवन का सर्वश्रेष्ठ सुख है जब शरीर स्वस्थ्य होगा तो मनुष्य अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन और जीवन के सुखों का आनन्द उठा सकता है लेकिन आजीवन स्वास्थ्य सुखों का लाभ पाने के लिए शारीरिक क्षमताओं का विकास होना जरुरी होता है जो खेल के मैदान में सरलता से विकसित हो जाता है खेल का जीवन में समर्पण की भावना विकसित करने में मूल्यवान भूमिका होती है खेल के मैदान में खिलाड़ी निष्पक्षता, न्याय और हार द्द जीत दोनों को समान रूप से ग्रहण करता है अपने प्रतिद्वंदी के प्रति सहज भाव रखता है वह जानता है कि खेल में कभी जीत होती है, तो कभी हार होती है वह अपने प्रतिद्वंदी के बढ़िया खेल की खुलकर सराहना करता है, उसकी जीत पर मुक्त कंठ से बधाई देता है और द्वेष की भावना को पास तक नहीं भटकने देता उसके जीवन में ये सब गुण खेलों से ही तो आते है कहा जाता है कि जीवन में सफलता हासिल करनी हो तो अनुशासन रूपी कुंजी साथ में जरुर होनी चाहिए और जो खेल के मैदान में तेजी से फलता फूलता है अनुशासन जीवन के हर क्षेत्र में प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है राष्ट्रीय और सामाजिक जीवन में अनुशासन के महत्व का पाठ खेलों के मैदान में सरलता से सीखा जा सकता है खेलों के द्वारा जीवन में पारस्परिक सम्मान के सद्गुण का विकास होता है खेलों के खिलाडियों से ये अपेक्षा की जाती है कि वे एक दूसरे खिलाडियों का सम्मान करे सम्मान पाने का उपाय भी यही है कि दूसरों का सम्मान करो खेलों में जब खिलाडी अपने साथी खिलाडी को सम्मान नहीं देते है तो उन्हें आदर्श खिलाड़ी नहीं कहा जाता इसलिए प्रत्येक श्रेष्ठ खिलाड़ी अपने साथी खिलाड़ियों का सम्मान करता है जिससे उनमें पारस्परिक सम्मान के गुणों का विकास होता है खेलों से ह्लटीम स्प्रिटह्ल का विकास होता है ह्लटीम स्प्रिटह्ल का मतलब हर उस खिलाड़ी से है जो अपने पृथक व्यक्तित्व को टीम के व्यक्तित्व में विलीन कर दे इसमें टीम का हर खिलाड़ी सम्पूर्ण टीम के लिए खेलता है केवल अपने लिए नहीं यह ह्लटीम स्प्रिटह्ल की भावना जो वह खेलों के द्वारा अपने अंदर विकसित करता है तो यही उसके व्यावहारिक जीवन की समस्याओं का समाधान करने में अत्यधिक लाभदायक सिद्ध होता है खेलकूद में शारीरिक व्यायाम भी महत्वपूर्ण है शारीरिक व्यायाम एक ऐसी गतिविधि है जो शारीरिक निरोगता अथवा समग्र स्वास्थ्य को बढ़ाती है या बनाए रखती है। खेल देश की प्रगति के लिए भी बहुत जरूरी है जो ओलोंपिक में किसी खेल में ज्यादा मेडेल लाता है उसे दुनिया उतना ही अधिक शक्तिशाली मानती है महान क्रिकेटर श्री सचिन तेंदुलकर ने क्रिकेट में देश को वह गौरव प्रदान किया कि देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्रदान किया गया आजकल क्रिकेट में भारत में आईपीएल लीग मैच चल रहा है और बाद में ऑपरेशन सिंदूर के बाद स्थगित किया गया,जब सारे चैनलों पर युद्ध की दर्दनाक कहानी सुनकर रातों की नींद हराम हो जाती है क्योंकि यह साफ हो गया कि भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया है, जिसमें कई पर्यटकों सहित 26 नागरिक मारे गए थे और आतंकवाद का सफाया कर दिया गया था। यह ऑपरेशन पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में हुआ, जहाँ सेना ने नौ आतंक से जुड़े स्थलों को नष्ट कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप पाकिस्तान ने अपनी वायु सेना को हाई अलर्ट पर रखा। जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा दो ऐसे समूह हैं जिन पर अक्सर भारत में आतंकी हमलों को प्रायोजित करने का आरोप लगाया जाता है।

अभिव्यक्ति : न्याय का नया दृष्टिकोण

नृपेंद्र अभिषेक नृप

सर्वोच्च न्यायालय ने 9 मई, 2025 को ऐसा ऐतिहासिक निर्णय सुनाया जो न केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार को पुनः पुष्ट करता है, बल्कि जानकारी के अधिकार को भी केंद्रीय महत्त्व प्रदान करता है। इस निर्णय के केंद्र में विकिमीडिया फाउंडेशन और दिल्ली उच्च न्यायालय के मध्य उत्पन्न एक असाधारण विवाद है, जो डिजिटल अभिव्यक्ति, न्यायालय की प्रतिष्ठा तथा तकनीकी माध्यमों की कानूनी जिम्मेदारियों जैसे जटिल और समकालीन प्रश्नों से जुड़ा हुआ है। यह मामला भारत के संवैधानिक विमर्श में एक नई परत जोड़ता है, जो यह तय करने में सहायक हो सकता है कि डिजिटल युग में न्याय और स्वतंत्रता का संतुलन किस प्रकार बनाए रखा जाए।

मामला अक्टूबर, 2024 में उस समय आरंभ हुआ जब दिल्ली उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने विकिपीडिया पर एक पृष्ठ को हटाने का अंतरिम आदेश दिया। यह पृष्ठ एक मानहानि केस से संबंधित था, जिसमें न्यायालय की कार्यवाही और निर्णय पर उपयोगकताओं द्वारा टिप्पणियां की गई थीं। कुछ उपयोगकताओं ने उस न्यायिक आदेश की आलोचना की जिसे न्यायालय ने न्यायालय की अवमानना के रूप में देखा। इन टिप्पणियों के आधार पर न्यायालय ने विकिमीडिया को निर्देश दिया कि न केवल वह पृष्ठ हटाए, बल्कि उससे जुड़े चर्चा मंच को भी निष्क्रिय करे। बाद में, एक खंडपीठ ने भी इस आदेश को बरकरार रखा, जिससे विकिमीडिया फाउंडेशन को सर्वोच्च न्यायालय की शरण लेनी पड़ी।

सर्वोच्च न्यायालय की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भूइयां शामिल थे, ने पूरे प्रकरण को व्यापक संवैधानिक दृष्टिकोण से देखा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर, चाहे वह न्यायिक प्रक्रिया के अधीन क्यों न हो, जनता और प्रेस द्वारा खुली बहस आवश्यक है। उनका यह कथन भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को दशार्ता है, जहां न्याय व्यवस्था भी जनचर्चा और पारदर्शिता से अप्रभावित नहीं रह सकती। पीठ ने न केवल विकिपीडिया के उस पृष्ठ को हटाने के आदेश को रद्द किया, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि यह आदेश अभिव्यकित की स्वतंत्रता और जनजानकारी के अधिकार के विरुद्ध था। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 19(1) (ए) और अनुच्छेद 21 का उल्लेख करते हुए कहा कि लोगों को जानने का अधिकार उनके लोकतांत्रिक सहभागिता के लिए अत्यंत आवश्यक है। जब तक जानकारी तक लोगों की पहुंच नहीं होगी तब तक वे न तो किसी सार्वजनिक नीति में भाग ले सकते हैं, और न न्याय व्यवस्था में विश्वासपूर्वक संलग्न हो सकते हैं।

यह निर्णय विशेष रूप से इसलिए महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह इंटरनेट के उस स्वरूप को रेखांकित करता है जिसमें जनता स्वयं सूचना-सृजन में भागीदार बनती है। विकिमीडिया फाउंडेशन केवल एक तकनीकी माध्यम प्रदान करता है; यह स्वयं कंटेंट का निमार्ता नहीं है। यह निर्णय न केवल कानूनी दृष्टिकोण से, बल्कि लोकतंत्र के मूल्यों की दृष्टि से भी उल्लेखनीय है। इस मामले में यह दशार्या गया कि अदालतें जनता की आलोचनाओं और टिप्पणियों से डरी नहीं, बल्कि उन्हें संविधान के दृष्टिकोण से परखा। यह निर्णय व्यापक रूप से यह संदेश देता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जानकारी तक पहुंच का अधिकार लोकतंत्र की आधारशिला हैं। आज जब डिजिटल मीडिया हर नागरिक को अपने विचार प्रकट करने की स्वतंत्रता देता है, तो ऐसे मंचों की भूमिका और अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाती है। यदि ऐसे मंचों को अभिव्यक्ति पर रोक लगाने के आदेश मिलते रहेंगे, तो न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता बाधित होगी, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श भी संकीर्ण बन जाएगा।

अब यह कहना उचित होगा कि सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सूचना तक पहुंच, और न्यायिक पारदर्शिता के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में सशक्त कदम है। इससे संकेत मिलता है कि न्यायपालिका स्वयं को आलोचना और सार्वजनिक चर्चा से परे नहीं मानती, बल्कि उसे आवश्यक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के रूप में भी स्वीकार करती है। यह निर्णय डिजिटल युग में न्याय, तकनीक और लोकतंत्र के जटिल संबंधों की ओर भी संकेत करता है।

सऊदी अरब में फंसे बिहार–यूपी और बंगाल के 400 मजदूर

- पीएम और सीएम से लगाई वतन वापसी की गुहार

गोपालगंज (एजेंसी)। सऊदी अरब के यानबू स्थित सेंडन इंटरनेशनल कंपनी लिमिटेड में काम कर रहे बिहार और उत्तर प्रदेश के 400 से अधिक श्रमिक गंभीर संकट में हैं। इनमें गोपालगंज, सीवान, छपरा समेत विभिन्न जिलों के मजदूर शामिल हैं। श्रमिकों का आरोप है कि कंपनी ने पिछले 8 माह से उन्हें वेतन और ठीक से भोजन नहीं दिया है। इतना ही नहीं उन्हें घर लौटने की भी अनुमति नहीं दी जा रही है। अब इन मजदूरों ने वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से वतन वापसी की अपील की है। जानकारी के अनुसार इन श्रमिकों ने भारतीय दूतावास से भी मेल और फोन के माध्यम से कई बार संपर्क किया, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है। मजदूरों का कहना है कि अगर जल्द मदद नहीं मिली तो उनकी स्थिति और खराब हो सकती है। बताया गया कि सेंडन इंटरनेशनल एक निर्माण और संबद्ध सेवाओं की कंपनी है, जो तेल, गैस, उर्वरक, बिजली और परिवहन जैसे क्षेत्रों में काम करती है। कंपनी की स्थापना 1994 में हुई थी और इसका मुख्यालय यानबू, सऊदी अरब में है। फंसे हुए मजदूरों में गोपालगंज के धमपाकड़ गांव के राजकिशोर कुमार, भगवानपुर एकडंगा गांव के बलिंदर सिंह, फतेहपुर दीघा के दिलीप कुमार चौहान, राजेंद्र नगर मोहल्ले के शैलेश कुमार चौहान, बालेपुर बथुआ बाजार के ओमप्रकाश सिंह, सीवान के उमेश साह, रवि कुमार, राजीव रंजन और हरिंदर चौहान शामिल हैं। सभी ने सरकार से जल्द राहत की गुहार लगाई है। इनके परिजनों ने जिलाधिकारी और गोपालगंज के सांसद डॉ आलोक कुमार सुमन को भी आवेदन देकर मदद की गुहार लगाई है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें झारखंड से वापस भेजने को विशेष बल गठित करे सरकार : चंपई

रांची (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने रविवार को हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें राज्य से निर्वासित करने के लिए एक विशेष कार्य बल बनाने का आग्रह किया। चंपई सोरेन ने दावा किया कि बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण झारखंड की जनसांख्यिकी तेजी से बदल रही है, जो आदिवासी समुदायों के अस्तित्व के लिए खतरा है। चंपई सोरेन ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं देश में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ लड़ाई में निर्णायक कदम उठाने के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद देता हूं। अब, मैं राज्य सरकार से झारखंड से बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें निर्वासित करने के लिए एक कार्य बल गठित करने का आग्रह करता हूं।' उन्होंने दावा किया कि राज्य, विशेष रूप से आदिवासी बहुल संथाल परगना और कोल्हान क्षेत्रों की जनसांख्यिकी 'घुसपैठियों के कारण बदल रही है'। चंपई सोरेन ने कहा, 'मैंने लगातार इस मुद्दे और धर्म परिवर्तन के खिलाफ अपनी आवाज उठाई है लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाला सत्तारूढ़ गठबंधन इन गंभीर मामलों पर चुप है। घुसपैठिए आदिवासियों और मूल निवासियों को उनके अधिकारों से वंचित कर रहे हैं।'

अब आईआईटी बॉम्बे ने तुर्की का बहिष्कार किया, विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन किया रद्द

मुंबई (एजेंसी)। भारत में तुर्की के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला जारी है। देश में हर तुर्की उत्पाद का बहिष्कार किया जा रहा है। भारत से तुर्की को संगमरमर और सेब का व्यापार बंद करने की घोषणा के बाद देश के कई बड़े संगठनों ने भी तुर्की के साथ अपने अनुबंध रद्द कर दिए हैं। आईआईटी बॉम्बे भी इस सूची में शामिल हो गया है। आईआईटी मुंबई ने तुर्की विश्वविद्यालयों के साथ सभी समझौते रद्द कर दिए हैं। यह निर्णय तुर्की और भारत के बीच वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। आईआईटी बॉम्बे ने कहा है कि तुर्की के साथ शैक्षणिक सहयोग अगली सूचना तक निलंबित रहेगा। आईआईटी बॉम्बे ने छात्रों और शिक्षकों से तुर्की से संबंधित किसी भी आदान-प्रदान या शोध कार्यक्रम के बारे में आधिकारिक जानकारी निलंबित करने को कहा है। इससे पहले आईआईटी रुड़की, जेएनयू और जामिया मिलिया इस्लामिया जैसे संस्थानों ने भी तुर्की संस्थानों के साथ अपना सहयोग समाप्त कर दिया है। आईआईटी बॉम्बे के अधिकारियों का कहना है कि यह निर्णय देश की सुरक्षा और हितों को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से लिया गया है। मालूम हो कि तुर्की पर पाकिस्तान को सैन्य सहायता देने का आरोप है, जिसके कारण पूरे भारत में इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और पूरे देश में तुर्की का बहिष्कार अभियान चलाया जा रहा है।

ग्वालियर हाईकोर्ट में बाबा साहेब की मूर्ति को लेकर हुआ विवाद : वकीलों और भीम आर्मी कार्यकर्ताओं में झड़प, पुलिस तैनात

ग्वालियर(एजेंसी)। ग्वालियर हाईकोर्ट बेंच परिसर में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति स्थापना को लेकर शनिवार को तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। मूर्ति लगाने की मांग को लेकर पहुंचे भीम आर्मी कार्यकर्ताओं और वकीलों के बीच कहासुनी हाथापाई तक पहुंच गई। देखते ही देखते हाईकोर्ट परिसर रणभूमि में बदल गया, जिससे कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद के दौरान एक वकील ने भीम आर्मी के एक कार्यकर्ता के साथ मारपीट की, जिसके बाद वहां मौजूद अन्य कार्यकर्ताओं और वकीलों के बीच धक्का-मुक्की और नारेबाजी शुरू हो गई। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस बल को तुरंत मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने परिसर को खाली कराया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। बताया जाता है कि कुछ वकील जहां बाबा साहेब की मूर्ति स्थापना का समर्थन कर रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ बार एसोसिएशन का एक वर्ग कह रहा है कि न्यायालय परिसर को राजनीतिक और वैचारिक मुद्दों से दूर रखना चाहिए।

भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी के सामने दुश्मन संघर्षविराम करने को मजबूर हुआ

जम्मू-कश्मीर के एलजी ने एलओसी पर तैनात सैन्य कर्मियों को किया संबोधित

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि पड़ोसी देश में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सशस्त्र बलों की पहुंच से बाहर हो। सिन्हा ने यह टिप्पणी एलओसी पर तैनात सैन्य कर्मियों को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया ने भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी देखी है और फिर दुश्मन संघर्षविराम के लिए पूरी दुनिया के सामने गिड़िगड़ाया है। पाकिस्तान में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सेना की पहुंच से बाहर हो।

एलजी सिन्हा ने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला और कहा कि दुश्मन कर्ज के दम पर मानवता को नष्ट कर रहा है। मुझे लगता है कि हमारे वीर सैनिकों द्वारा दिए गए जवाब से उन्हें सबक मिल गया होगा। मैं आपकी वीरता, पराक्रम और मां भारती के प्रति आपकी भक्ति

को नमन करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि जब भी ऐसा संकट आए, तो लोगों को पता चले कि हमारा देश आप जैसे वीरों के सुरक्षित हाथों में है।

एलजी ने सेना और पुलिस कर्मियों के साथ जमीनी स्तर पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि देश सतर्कता, समर्पण, बहादुरी और सर्वोच्च बलिदान के साथ जीवन की रक्षा करने और हमारी सीमाओं की रक्षा करने के लिए सशस्त्र बलों का आभारी है। उनहोंने कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि हमारे जवान दुश्मन के किसी भी दुस्साहस का डटकर सामना करेंगे। बाद में सिन्हा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सेना और पुलिस अधिकारियों के साथ जमीनी स्तर पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। तंगधार में हमारे बहादुर जवानों से बातचीत की। वे देश की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ डटे हैं। सिन्हा ने तंगधार सेक्टर में सीमा क्षेत्र का दौरा किया और पाकिस्तान द्वारा भारी गोलाबारी से हुए नुकसान का आकलन किया।

हिंदुस्तान आतंकवाद को तबाह करेगा- नवनीत राणा ने दी पाकिस्तान को दो टूक चेतावनी

अमरावती। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद महाराष्ट्र के अमरावती में आयोजित तिरंगा यात्रा में भाजपा नेता नवनीत राणा ने पाकिस्तान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान ने आतंकवाद को पनाह देना नहीं रोका तो हिन्दुस्तान ने भी ठान लिया है कि पाक प्रायोजित आतंकी ढांचे को नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। रविवार को मीडिया से बातचीत करते हुए नवनीत राणा ने कहा कि पाकिस्तान ने भारत में हिन्दू-मुस्लिम के बीच झगड़े कराने के मकसद से पहलगाम में आतंकी घटना को अंजाम दिया और हमारे निर्दोष लोगों की उनके धर्म के आधार पर गोली मारकर हत्या कर दी। आज मैं पाकिस्तान को बताना चाहती हूं कि हिंदुस्तान में रहने वाला हर नागरिक हिन्दुस्तानी है और हम हिन्दुस्तानी जब किसी का विरोध करते हैं तो आखिरी सांस तक दम नहीं लेते, जब तक कि विरोधी समाप्त न हो जाए। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत में लोगों को धर्म के आधार पर बांटने की पाकिस्तान की साजिश फेल हुई। भारत में रहने वाले सभी धर्मों के लोग एकजुट हैं और पीएम मोदी के साथ हैं। पीएम मोदी आतंकवाद को तबाह करने के लिए जो भी फैसले लेंगे पूरा देश उनके साथ है। भाजपा नेता ने आगे पाकिस्तान को लेकर कहा कि पाकिस्तान को यह नहीं भूलना चाहिए कि उसका वजूद भारत की वजह से है। इसलिए, पहलगाम आतंकी हमले के बाद हर भारतवासी में गुस्सा है। अभी तो ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया है। अगर नहीं सुधरे तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो। देशभर में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है।

गिरिराज सिंह का आरोप- कांग्रेस को देशहित से नहीं, सिर्फ सत्ता से मतलब

बेगूसराय (एजेंसी)। आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को स्पष्ट करने के लिए सांसदों का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश जाएगा। आतंकवाद पर भारत के वैश्विक आउटरीच प्रतिनिधिमंडलों में कांग्रेस सांसद शशि थरूर को शामिल किए जाने को लेकर कांग्रेस से ही आवाज उठाए जाने लगी है।

इस बीच केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश की वह पार्टी बनकर रह गई है जिसके अंदर सकारात्मक देशहित पर कोई जुबान ही नहीं खुलती। कोई सकारात्मक राजनीति हो, पॉजिटिव राजनीति हो ये चुप रहते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस केवल निगेटिव राजनीति करती है। देश के बाहर भी ये भारत को बदनाम करते हैं। अब विदेशों में प्रतिनिधिमंडल जा रहा है और उसमें अगर शशि थरूर हैं तो इसमें राजनीति किस बात की है? शशि थरूर भी कांग्रेस के ही हैं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई इसमें दिखती है। कांग्रेस के अंदर अंदरूनी लोकतंत्र भी नहीं है और यह घटिया राजनीति पर उतर आई है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि पाकिस्तान आज आतंकी देश बनकर रह गया है। भारत की सेना के शौर्य ने यह दिखा दिया है कि इस आतंकी देश को बर्बाद होने से कोई रोक नहीं सकता है। लेकिन भारत का जो दुश्मन देश पाकिस्तान है, उसका जो साथ देता है, उसके प्रति भी देश की जनता में आक्रोश है। चाहे कोई भी देश हो, दुश्मन की मदद करने वाला देश भारत का हितकर नहीं हो सकता है, तुर्की हो या जो भी हो।

केंद्र सरकार ने विदेश जाने वाले सात सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों में शामिल सभी सदस्यों के नाम तय कर दिए हैं। ये प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों और अन्य प्रमुख साझेदार देशों का दौरा करेंगे और देश की आतंकवाद विरोधी नीति, सैन्य कार्रवाइयों और ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देंगे।

भतीजे पर एक बार फिर भरोसा, मायावती ने आकाश आनंद को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने एक बार फिर भतीजे आकाश आनंद को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी दी है। मायावती ने आकाश आनंद पर भरोसा जताते हुए फिर बसपा का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसको लेकर एक बयान भी जारी किया है।

इस बयान में बताया गया है कि बसपा अध्यक्ष मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया है, साथ ही उन्हें देश में पार्टी के आगे के कार्यक्रम भी दिए गए। उम्मीद है कि इस बार वह पार्टी और मूवमेंट के हित में, हर प्रकार की सावधानी बरतते हुए, पार्टी को मजबूत बनाने में अपना सराहनीय योगदान देंगे।

बयान में आगे बताया गया है कि पार्टी सुप्रीमो मायावती ने रविवार को बसपा ऑल इंडिया की हुई एक अहम बैठक में देशभर में संगठन की मजबूती और जनाधार को

सर्वसमाज में बढ़ाने के लिए दिए गए कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा करने के साथ ही 22 अप्रैल को घटित हुए पहलगाम आतंकी हमले के संदर्भ में पाकिस्तान के विरुद्ध 'ऑपरेशन सिंदूर' की गौरवमय सैनिक कार्रवाई के लिए भारतीय सेना की सराहना की।

उन्होंने कहा कि जन और देशहित को प्रभावित होने से बचाने के लिए सरकार द्वारा अपराध नियंत्रण की तरह आतंकी-निरोधक उपाय भी जरूरी हैं, ताकि सुहागों को उजड़ने से बचाने का दायित्व निभाया जा सके और इस क्रम में पाकिस्तान द्वारा परमाणु धमकी या ब्लैकमेलिंग को नहीं सहने की भारत सरकार की चेतावनी उचित कदम है। साथ ही, कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका और अन्य किसी भी तीसरे पक्ष की दखल को स्वीकार नहीं करने की राष्ट्रीय सहमति पर सख्ती से अमल करते रहना जरूरी है क्योंकि इस खास मुद्दे पर भी देश को अपने अलावा किसी और पर भरोसा नहीं करना चाहिए, तो यह बेहतर होगा। बसपा केंद्रीय कार्यालय 29 लोधी एस्टेट में ऑल इंडिया की हुई बड़ी बैठक को संबोधित करते हुए मायावती ने आतंकी घटनाओं को विकास में बाधक बताते हुए कहा कि पहलगाम आतंकी हमले की चुनौतियों से निपटने के मामले में सेना और पूरे देश ने जो परिपक्वता दिखाई है, उसका नतीजा है कि पाकिस्तान को उसकी भाषा में सेना ने सबक सिखाया है और आगे ऐसा नहीं करने के लिए कड़ी चेतावनी भी दी जा रही है। ऐसे में यह केंद्र सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने सुरक्षा उपायों से देश में घातक आतंकी घटनाएं अब किसी भी कीमत पर आगे नहीं होने दे। इसके साथ ही, उन आपराधिक जातिवादी और सांप्रदायिक तत्वों पर भी जरूर लगाम लगाएं, जो अपनी संकीर्ण, घृणित और विषैली भाषा और हरकतों से देश में शांति और आपसी भाईचारे के माहौल को जानबूझकर प्रदूषित करने में लगे रहते हैं।

उन्होंने कहा कि पहले विदेश सचिव और फिर उसके बाद सेना की वरिष्ठ महिला अफसर को लेकर मध्य प्रदेश के एक वरिष्ठ मंत्री द्वारा की गई संकीर्ण सोच वाली अशोभनीय टिप्पणी ऐसी प्रवृत्तियां हैं, जिनको पार्टी स्तर पर भी सख्ती के साथ निपटना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के स्वतः संज्ञान लेकर राज्य के उक्त वरिष्ठ मंत्री के खिलाफ पुलिस एफआईआर दर्ज कराकर कानून का राज स्थापित करने के प्रयास का स्वागत है।

दानिश के चक्कर में फंसी और पाकिस्तान के लिए जासूसी करने लगी ज्योति मल्होत्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिसार की ट्रैवल ब्लॉगर ज्योति मल्होत्रा को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि इस मामले में ज्योति की गिरफ्तारी कई खुफिया इनपुट के बाद हुई है। ज्योति के बनाए एक वीडियो में वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में आयोजित इफ्तार डिनर में शामिल हुई थी। यह वीडियो ज्योति की पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ कथित संलिप्तता का सबसे पुख्ता सबूत बन गया। ज्योति यहां पाक

दूतावास के एक अधिकारी से ऐसे मिलती दिख रही है। इस मुलाकात से पता चला कि ज्योति उस अधिकारी से पहले भी मिल चुकी है। उस अधिकारी का नाम अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश है। इस पूरे मामले में मुख्य रूप से अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश का नाम सामने आया है, जिसे भारत सरकार ने जासूसी के आरोपों में पर्सोना नॉन ग्राटा (अवांछित व्यक्ति) घोषित कर 13 मई को देश से निष्कासित कर दिया था।

अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश पाकिस्तान उच्चायोग में एक अधिकारी था। भारतीय खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक, दानिश जासूसी गतिविधियों में संलिप्त था और उसने भारत की संवेदनशील जानकारी लीक की थी, जिसमें भारतीय सेना की गतिविधियों से संबंधित जानकारी शामिल थी। उसकी गतिविधियों के कारण भारत सरकार ने उसे पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित किया और 13 मई 2025 को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया।जांच के अनुसार, ज्योति मल्होत्रा ने पहली बार 2023 में एक प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान की यात्रा की थी। वहां उसकी मुलाकात दानिश से हुई। भारत लौटने के बाद, उसने दानिश के साथ संपर्क बनाए रखा। दानिश की सिफारिश के बाद, उसने पाकिस्तान की दूसरी यात्रा की, जहां उसका परिचय अली अहसान से हुआ। अली ने ज्योति की पाकिस्तान में रहने और यात्रा की व्यवस्था की और उसे पाकिस्तानी खुफिया और सुरक्षा अधिकारियों, जैसे शकीर और राणा शाहबाज से मिलवाया। ज्योति ने शकीर का नंबर अपने फोन में जट रंधावा के नाम से सेव किया था ताकि संदेह से बचा जा सके। अधिकारियों ने संकेत दिया कि उसने बाद में इन गुर्गों को संवेदनशील खुफिया जानकारी भेजना करना शुरू कर दिया।

ज्योति मल्होत्रा की संदिग्ध गतिविधियां

जांच के अनुसार, ज्योति ने पाकिस्तान की चार से अधिक बार यात्रा की थी, जिसमें 2023 में दो यात्राएं शामिल हैं। उसने व्हाट्सएप, टेलीग्राम और स्नैपचैट जैसे एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स के जरिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखा। अधिकारियों का दावा है कि ज्योति ने भारतीय सैन्य ठिकानों और गतिविधियों से संबंधित संवेदनशील जानकारी शेयर की, जिसमें हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित जानकारी भी शामिल थी।

मैं पाकिस्तान नहीं जहन्नुम जाना ज्यादा पसंद करुंगा

बॉलीवुड के दिग्गज राइटर जावेद अख्तर ने कही दिल की बात

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के दिग्गज राइटर जावेद अख्तर ने बुक लॉन्च इवेंट में कहा कि अगर उनके पास पाकिस्तान और जहन्नुम यानी नरक में से किसी एक जगह जाने की चॉइस होगी तो वह जहन्नुम जाना ज्यादा बेहतर समझेंगे। जावेद अख्तर मुंबई में आयोजित बुक लॉन्च इवेंट में बोल रहे थे जहां उन्होंने बताया कि उन्हें भारत और पाकिस्तान दोनों तरफ से गालियां मिलती हैं। जावेद अख्तर ने कहा कि उन्हें जो कुछ मिला है वो यहीं से ही मिला है और मुंबई, महाराष्ट्र की कर्मभूमि है जिसने उन्हें आज इतना कुछ दिया है।

जावेद अख्तर ने कहा कि तो नतीजा क्या होता है कि अगर आप एक तरफ से बात कर रहे हैं तो आप कुछ लोगों को नाखुश करेंगे, लेकिन अगर हर तरफ से बात कर रहे हैं तो बहुत ज्यादा लोगों को नाखुश करेंगे। कभी आप मिलिएगा अलग तो मैं आपको दिखाऊंगा अपना ट्विटर, अपना व्हाट्सऐप...जिसमें मुझे दोनों तरफ से गालियां मिलती हैं। ऐसा नहीं है कि मैं

बहुत थैंकलेस हूं। बहुत से लोग तारीफ भी करते हैं, बहुत से लोग हिम्मत भी बढ़ाते हैं।

उन्होंने कहा लेकिन यह भी सच है कि मुझे इधर का एक्सट्रीमर भी गाली देता है और उधर का एक्सट्रीमर भी। यही सही है, अगर इनमें से एक ने गाली देना बंद कर दिया तो मुझे परेशानी हो जाएगी कि मैं क्या गड़बड़ कर रहा हूं। तो ये कहते हैं कि तू तो काफिर है और जहन्नुम में जाएगा। वह कहते हैं कि जिहादी..पाकिस्तान चला जा। अब अगर मेरे पास चॉइस सिर्फ पाकिस्तान और जहन्नुम, यानि नरक की है। तो मैं नरक ही जाना पसंद करूंगा। अगर यही बस चॉइस है।

जावेद अख्तर ने कहा कि मैं सिर्फ साढ़े उन्नीस साल का था जब मुंबई आया था आज जो कुछ बना, जो कुछ मुझे मिला, जहां भी पहुंचा, यह सब मुंबई की, महाराष्ट्र की कर्मभूमि से मिला। बता दें कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान जावेद अख्तर के बयान काफी चर्चा में रहे थे। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले जावेद अख्तर राजनैतिक और समसामयिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखते हैं। कई लोग उनकी बातों को लेकर उन्हें ट्रोल करते हैं लेकिन वह किसी की भी परवाह किए बगैर अपना काम करते हैं।

संसद में अमित शाह ने ओवैसी को लेकर कही बात अब सच साबित हुई

-ओवैसी को ऑल पार्टी डेलिगेशन में शामिल करने पर पुराना वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद पर भारत का रुख बताने और पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए भारतीय डेलिगेशन का गठन सुर्खियों में है। इस टीम में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को भी शामिल किया है। ओवैसी को विपक्ष लगातार बीजेपी की बी टीम बताकर घेरता रहा है, लेकिन अब जब मोदी सरकार ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है, तो बहस छिड़ गई है।

इस बीच सोशल मीडिया पर एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि सांसद ओवैसी ने अमित शाह से ही पूछ लिया कि 'मैं किसकी टीम का हिस्सा हूं।' उनके इस सवाल को सुनकर लोकसभा में मौजूद सभी लोग हंस पड़ते हैं, फिर अमित शाह इसका हल्के-फुल्के अंजाद में जवाब देते हुए कहते हैं, ऐसा है ओवैसी जी मैं तो चाहता हूं कि आप अपनी स्वयं टीम बनाओज्अरे वो (विपक्षी) परेशान हैं इसलिए मैं कहता हूं कि आप अपनी टीम बनाओ- आपके मुद्दे हमेशा ही अलग रहते हैं।

अमित शाह ने यह बात संसद में कब कही थी, इसकी तारीख तो नहीं बताई जा सकती है, लेकिन आज टीम मोदी में ओवैसी का नाम शामिल करने के बाद यह क्लिप एक बार फिर वायरल हो रही है। लोग कह रहे हैं कि शाह की बात सच हो गई। ओवैसी पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही पाकिस्तान के खिलाफ बोल रहे हैं और लगातार उस पर हमले कर रहे हैं। केंद्र सरकार की तरफ से कई देशों के दौरे पर भेजे जा रहे ऑल पार्टी डेलिगेशन में शामिल किए जाने पर औवैसी ने कहा कि एक के सदस्य के तौर पर यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए उनके संदेश का सार होगा।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पाले आतंकवादियों के हाथों लंबे समय से निर्दोष लोगों की हत्या के बारे में दुनिया को बताना होगा। वहीं ओवैसी ने बीजेपी के 'बी टीम' कहे जाने के आरोपों को खारिज कर दिया है। ओवैसी ने कहा कि बीजेपी की सत्ता में वापसी मेरी वजह से नहीं, बल्कि विपक्ष की नाकामी की वजह से हुई है। ओवैसी ने कहा कि अगर मैं सिर्फ पांच सीटों पर चुनाव लड़ूं और बीजेपी की सीटें घटकर 240 रह जाएं तो फिर मुझे कैसे जम्मिेदार ठहराया जा सकता है?

ओवैसी ने आरएसएस पर भी हमला बोलते हुए कहा कि, आरएसएस की मंशा भारत को एक धार्मिक राज्य बनाने की है। वो बहुलवाद खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कोर्ट में जो केस फाइल किए जा रहे हैं, उनके पीछे

आरएसएस समर्थकों का हाथ है। अब जब ओवैसी को केंद्र सरकार की ओर से प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया गया है, तो विपक्ष के आरोपों को नया मुद्दा मिल गया है। हालांकि इसे एक संसदीय प्रक्रिया का हिस्सा भी कहा जा सकता है, जिसमें कई दलों के सांसदों को विदेश यात्राओं पर भेजा जाता है।

सनराइजर्स हैदराबाद पर बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी लखनऊ सुपरजायंट्स

लखनऊ (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को लखनऊ सुपरजायंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर बड़ी जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी। इस मैच में अगर सुपरजायंट्स हार तो वह लीग से बाहर हो जाएगी। इस लीग में अब तक टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। उसके कप्तान ऋषभ पंत भी अब तक रन नहीं बना पाये हैं जिसके कारण भी टीम को नुकसान हुआ है। ऐसे में ऋषभ इस मैच में बड़ी पारी खेलकर टीम को जीत दिलाना चाहेंगे। अब तक इस सत्र में निकोलस पूरन ने टीम की ओर से काफी अच्छी बल्लेबाजी की है पर अब अन्य खिलाड़ियों को भी रन बनाने होंगे। उसकी गेंदबाजी शारदुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप पर आधारित रहेगी। सुपर जायंट्स की टीम के नाम अब तक 11 मैचों में 10 अंक है पर उसका नेट रन रेट माइनस 0.469 है। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे अपने बचे हुए तीनों मैचों को बड़े अंतर से जीतना होगा।

दूसरी ओर पिछले साल की उपविजेता सनराइजर्स पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर लखनऊ का खेल बिगाड़ना रहेगा। सनराइजर्स की टीम में शामिल युवा नीतीश कुमार रेड्डी और ईशान किशन जैसे खिलाड़ी इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करने का प्रयास करेंगे। अब तक ये दोनो बड़ी पारियां नहीं खेल पाये हैं। आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अब तक 311 रन बनाये हैं और वह इस मैच में बड़ी पारी खेलने का प्रयास करेंगे। लखनऊ की टीम की सबसे बड़ी परेशानी कप्तान का रन नहीं बनाना है। वह इस सत्र में केवल एक बार ही पचास से अधिक रन बना पाये हैं। रन उन्होंने इस सत्र के 11 मैचों में 100 से कम की स्ट्राइक-रेट और 12.80 की औसत से केवल 128 रन ही बनाए है। मो शामी, राहुल चाहर सहित उसके गेंदबाज अब तक प्रभावित नहीं कर पाये हैं।

वहीं लखनऊ की टीम को अपने प्रमुख बल्लेबाज निकोलस पूरन से इस मैच में भी बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। पूरन शुरुआती पांच-छह मैचों में आक्रामक बल्लेबाजी के बाद पिछले कुछ मैचों से रन नहीं बना पाये हैं। पूरन के अलावा टीम को अपने शीर्ष तीन क्रम में शामिल दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम 348 और मिचेल मार्श 378 से भी अच्छी शुरुआत की उम्मीद होगी। वहीं मध्यक्रम में आयुष बडोनी 326 रन के अलावा कोई भी बल्लेबाज प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाया है। आक्रामक बल्लेबाज डेविड मिलर अब तक केवल 160 रन ही बना पाये हैं। गेंदबाजी में रवि बिश्नोई बीच के ओवरों में विकेट लेने में विफल रहे हैं। केवल युवा दिग्वेश राठी ने अब तक 12 लेकर लेकर विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया है। इस मैच में न्यूजीलैंड के गेंदबाज विलियम ओ राउरकी के टीम में आने से लखनऊ की गेंदबाजी बेहतर होगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद : पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायडे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिच क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रेविस हेड, हर्षल पटेल, कामिन्दु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

लखनऊ सुपर जायंट्स : ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), एडेन मारक्रम, मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, अब्दुल समद, डेविड मिलर, शारदुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, दिग्वेश सिंह राठी, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद, मैथ्यू ब्रीट्जके, हिम्मत सिंह, शमरा जोसेफ, मणिमारन सिद्धार्थ, आर्यन जुयाल, आरएस हंगरगेकर, युवराज चौधरी, आकाश महाराज सिंह, अर्शिन कुलकर्णी।

कोलकाता में ही खेला जाएगा आईपीएल फाइनल : गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फाइनल की मेजबानी कोलकाता के ईडन गार्डन की जगह किसी अन्य स्थल को दिये जाने की चर्चाओं के बीच ही भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि ये इतना आसान नहीं है। गांगुली के अनुसार बंगाल बोर्ड (कैब) के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से अच्छे संबंध हैं। इसलिए उन्हें पूरा भरोसा है कि फाइनल कोलकाता से बाहर नहीं जाएगा। शुरुआत में फाइनल कोलकाता में 25 मई को खेला जाना तय था पर बीच में भारत-पाकिस्तान के बची टकराव के कारण आईपीएल एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया था। दोबारा शुरु होने पर बोर्ड ने तीन जून को खेले जाने वाले फाइनल के स्थल की जानकारी नहीं दी। ये कहा जा रहा है कि इस दिन कोलकाता में बारिश की संभावना को देखते हुए फाइनल किसी अन्य स्थल पर खेला जाएगा। कैब के पूर्व अध्यक्ष रहे गांगुली से जब पूछा गया कि क्या कोलकाता तय कार्यक्रम के अनुसार ही फाइनल मैच की मेजबानी करेगा तो उन्होंने कहा, 'हम प्रयास कर रहे हैं। साथ ही कहा कि है? यह ईडन का प्लेऑफ है, और मुझे भरोसा है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा क्योंकि मैच को अचानक ही किसी दूसरे स्थल पर ले जाना आसान नहीं है। इसी बीच प्रशंसकों ने भी मांग की है कि फाइनल कोलकाता में ही खेला जाना चाहिये।

गांगुली ने कहा कि विरोध से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वहीं प्लेऑफ स्थलों का चयन करने में हो रही पर गांगुली ने कहा, 'कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस मैदान पर अपने लीग मैच खेले हैं, इसलिए कोलकाता पहली सूची में शामिल नहीं है।' ईडन गार्डन को 2024 सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिताब जीतने के कारण इस सत्र के फाइनल के मेजबानी का अधिकार मिला था। इस स्थल में ही आईपीएल का उद्घाटन मैच भी खेला गया था।

वहीं बीसीसीआई ने हालांकि फाइनल के लिए नए स्थल के बारे में जानकारी नहीं दी है। जिससे भी कई प्रकार की अटकलें चल रही हैं। बदलाव के पीछे का कारण मौसम की भविष्यवाणी माना जा रहा है, क्योंकि कोलकाता से ही दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत होती है

पंजाब ने राजस्थान को हराया, 10 रन से जीता मैच

जयपुर (एजेंसी)। पंजाब किंग्स ने आईपीएल के 59वां मैच में जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स को 10 रन से हरा दिया है। पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करते हुए खराब शुरूआत (58/3) के बाद वापसी करते हुए नेहल वढेरा और शशांक सिंह की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 5 विकेट के नुकसान पर राजस्थान को 220 रन का लक्ष्य दिया है। वढेरा ने 37 गेंदों पर 5 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 70 रन बनाए। वढेरा के बाद शशांक सिंह ने टीम की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाए। शशांक ने 30 गेंदों पर 5 चौकों और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 59 रन बनाए। राजस्थान की तरफ से तुषार देशपांडे प्रभावी रहे जिन्होंने 20 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। इसके जवाब में राजस्थान यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल के अर्धशतकों की बदौलत 7 विकेट के नुकसान पर 209 रन ही बना पाई और पंजाब के गेंदबाजों के आगे घुटने टेक दिए।

प्रशंसकों ने सफेद कपड़ों से किया यादगार इशारा, मांजरेकर ने किया खुलासा

बेंगलुरु (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच आईपीएल मैच के दौरान प्रशंसकों द्वारा की गई दिल को छू लेने वाली श्रद्धांजलि की सराहना की, जहां प्रशंसक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली को सम्मानित करने के लिए एकत्र हुए थे।

शनिवार शाम को बेंगलुरु का एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम सफेद रंग के समुद्र में तब्दील हो गया, क्योंकि प्रशंसकों ने कोहली के शानदार टेस्ट करियर को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिष्ठित नंबर 18 वाली सफेद जर्सी पहनी थी।

हार्दिक इशारा एक विनम्र प्रशंसक अभियान के रूप में शुरू हुआ - एक साधारण सोशल मीडिया पोस्ट जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के समर्थकों से आरसीबी बनाम केकेआर मुकाबले में विराट कोहली की सफेद जर्सी पहनने का आग्रह किया गया, जो हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से उनके संन्यास के सम्मान में था। एक छोटे से विचार के रूप में शुरू हुआ यह विचार जल्द ही एक शक्तिशाली आंदोलन में बदल गया, क्योंकि प्रशंसक एक ऐसे खिलाड़ी की विरासत का जश्न मनाने के लिए एकजुट हुए, जिसने लाल गेंद के खेल को अपना सब कुछ दे दिया।

मांजरेकर ने जियोहॉटस्टार पर कहा, 'विराट कोहली के लिए प्रशंसकों का जो प्यार है, वह कुछ खास है। यह एक आईपीएल नाइट मैच था, और प्रशंसक भारतीय क्रिकेट इतिहास के एक पल को याद करने के लिए सफेद कपड़े पहने हुए आए थे। यह एक सुंदर इशारा है। पांच साल तक, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को देखने लायक और अधिक लोकप्रिय बनाया। हम अक्सर कहते हैं कि कोई भी खिलाड़ी खेल से बड़ा नहीं है, लेकिन ऐसे समय में जब टेस्ट क्रिकेट प्रशंसकों को आकर्षित करने के लिए संघर्ष कर रहा था, विराट ने इसे वह ध्यान दिया जिसकी इसे सख्त जरूरत थी।'

उन्होंने कहा, 'वह अभी भी आईपीएल में खेल रहे हैं, लेकिन उनमें हमेशा टेस्ट क्रिकेट को जीवित रखने की इच्छा थी। एक कप्तान के रूप में, मैंने कभी भी ऐसा भारतीय टेस्ट कप्तान नहीं देखा, जो टीम के अच्छा प्रदर्शन न करने या चीजें खराब होने पर भी तीव्रता को इतना ऊंचा बनाए रखने में कामयाब रहा हो। यह अपने आप में एक विरासत है।'

शनिवार का मैच, जो एक सप्ताह के ब्रेक के बाद आईपीएल 2025 की बहाली को चिह्नित करता है, विराट कोहली की सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने के बाद पहली उपस्थिति थी।

हालांकि, लगातार बारिश के कारण मैच को बिना एक भी गेंद फेंके रद्द कर दिया गया। दोनों टीमों को एक-एक अंक दिया गया, और इसके साथ ही आरसीबी 12 मैचों में 17 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई और प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने के करीब पहुंच गई, जबकि केकेआर 13 मैचों में 12 अंकों के साथ प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई।

वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज में बच्चों की एंट्री मुफ्त

बारबाडोस । दुनियाभर में टेस्ट क्रिकेट का आकर्षण धीरे-धीरे कम होता जा रहा है और इसे बचाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और तमाम क्रिकेट बोर्ड्स नए-नए कदम उठा रहे हैं। हाल ही में आईसीसी ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की पुरस्कार राशि को दोगुना कर दिया है, वहीं अब वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) ने टेस्ट क्रिकेट को बच्चों के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए एक अनोखा फैसला लिया है। सीडब्ल्यूआई ने घोषणा की है कि वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान बच्चों को स्टेडियम में प्रवेश के लिए कोई टिकट नहीं खरीदना पड़ेगा। इस फैसले का मकसद युवा पीढ़ी में टेस्ट क्रिकेट के प्रति रुचि जगाना है। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के सीईओ क्रिस डेहिंग ने इस पहल की जानकारी देते हुए कहा कि बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल, ग्रेनेडा नेशनल स्टेडियम और जमैका के सबीना पार्क में होने वाले तीनों टेस्ट मैचों के दौरान सभी बच्चों को निशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। केंसिंग्टन ओवल में आयोजित डब्ल्यूआई होम फुल आह एनर्जी कैंपेन के लॉन्च के दौरान डेहिंग ने कहा कि यह निर्णय वेस्टइंडीज क्रिकेट की एक नई नीति के तहत लिया गया है, जिसका उद्देश्य टेस्ट क्रिकेट को फिर से जीवंत करना है।

श्रेयस अय्यर के आईपीएल में 300 चौके पूरे, विशेष क्लब में शामिल हुए

जयपुर (राजस्थान) । पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें संस्करण में रविवार को जयपुर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने संयमित प्रदर्शन के बाद इंडियन प्रीमियर लीग में 300 चौके लगाने वाले क्लब में शामिल हो गए। श्रेयस ने अपने शानदार प्रदर्शन के दौरान 5 मौकों पर बाउंड्री लगाई और 34/3 पर सिमटने के बाद पंजाब की पारी को संभाला। आईपीएल में अपने 128वें मैच में 30 वर्षीय अय्यर ने शांतचित्त होकर फील्ड में गैप ढूंढे और टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने के फैसले के बाद स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया। 30 (25) रन पर यशस्वी जायसवाल द्वारा लॉन्ग-ऑफ पर कैच आउट होने से पहले श्रेयस ने पांच चौके लगाए और अब उनके नाम इस कैश-रिच लीग में 303 चौके हैं। उनके जाने के बाद नेहल वढेरा और शशांक सिंह क्रीज पर आए। दोनों ने 13वें ओवर में आकाश मधवाल की गेंद पर 17 रन बटोरे जिसमें शशांक ने एक चौका और वढेरा ने एक चौका और एक छक्का लगाया। वढेरा ने 25 गेंदों में पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से अपना चौथा आईपीएल अर्धशतक पूरा किया। 16वें ओवर में हेटमायर के एक लो कैच ने मधवाल को नेहल का विकेट दिलाया।

धोनी का संन्यास अभी नहीं ! 2026 में भी खेल सकते हैं आईपीएल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महेंद्र सिंह धोनी भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल और लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक हैं। 43 साल की उम्र में भी वे मैदान पर पूरी ऊर्जा के साथ खेल रहे हैं। हालांकि आईपीएल 2025 का सीजन उनकी टीम चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खास अच्छा नहीं रहा। टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और खुद धोनी का प्रदर्शन भी अपेक्षित स्तर का नहीं रहा। ऐसे में यह चर्चा जोर पकड़ने लगी थी कि क्या यह धोनी का आखिरी सीजन है और क्या वे अब हमेशा के लिए क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। लेकिन एक नई रिपोर्ट ने उनके फैंस के लिए बड़ी राहत की खबर दी है।

एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े सूत्रों का मानना है कि धोनी अभी टीम को छोड़ने के मूड में नहीं हैं। टीम के भीतर कई ऐसी चीजें हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता है और इसके लिए धोनी की अनुभव और नेतृत्व की जरूरत है। यही वजह है कि फ्रेंचाइजी के लोग मानते हैं कि अगर धोनी की फिटनेस ने उनका साथ दिया, तो वह आईपीएल 2026 में भी येलो जर्सी में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि धोनी का मार्गदर्शन टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम है और अभी भी उनकी उपस्थिति ड्रेसिंग रूम में आत्मविश्वास भरती है।

धोनी से जब एक मुकाबले के बाद पूछा गया कि क्या आईपीएल 2025 उनका आखिरी सीजन होगा, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि इस पर वे कुछ समय बाद फैसला लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका खेलना पूरी तरह उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। धोनी का यह बयान भी इस ओर इशारा करता है कि वे अभी अपने रिटायरमेंट को लेकर जल्दबाज़ी में कोई फैसला नहीं लेना चाहते।

भले ही इस सीजन में टीम का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा हो, लेकिन फैंस का धोनी के प्रति प्यार कम नहीं हुआ है। वे अब भी धोनी को मैदान पर खेलते हुए देखना चाहते हैं और यही समर्थन शायद

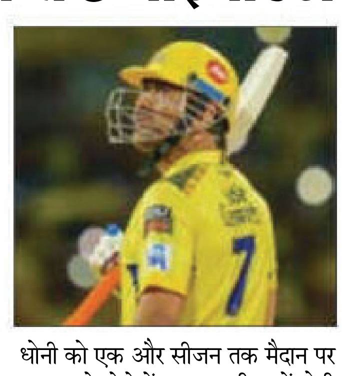

धोनी को एक और सीजन तक मैदान पर बनाए रखे। ऐसे में अब सबकी नजरें धोनी के अगले कदम पर टिकी हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो 'थाला' अगले साल भी मैदान में कमाल करते नजर आ सकते हैं।

रोम खिताब पर कब्जा, पाओलिनी ने गॉफ को हराकर बनाई इतिहास

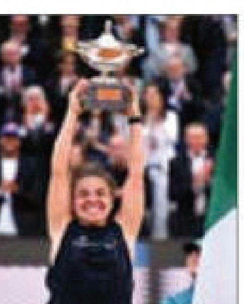

रोम (इटली)। घरेलू पसंदीदा जैस्मीन पाओलिनी ने शनिवार को इंटरनैशनली बीएनएल डी 'इटालिया में इतिहास रच दिया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि चार दशकों में पहली बार, इटैलियन इंटरनेशनल के पास महिला एकल में इतालवी चैंपियन है। पाओलिनी ने रोम में पक्षपातपूर्ण भीड़ को रोमांचित कर दिया, क्योंकि नंबर 6 सीड पाओलिनी ने कैम्पो सेंट्रल में फाइनल में नंबर 4 सीड कोको गॉफ को 6-4, 6-2 से हराकर ऐतिहासिक खिताब जीता। पाओलिनी 40 साल पहले 1985 में राफैला रेगी के बाद अपने देश के सबसे बड़े आयोजन में जीत हासिल करने वाली पहली महिला हैं। इसके अलावा, रेगी ने खिताब तब जीता जब यह आयोजन टोरंटो में आयोजित किया गया था।

सूर्यकुमार यादव का यह आईपीएल सीजन उनके सर्वश्रेष्ठ सीजन में से एक है : पूर्व भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने आईपीएल2025 सीजन में मुंबई इंडियंस के सीनियर खिलाड़ियों हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और रोहित शर्मा को टीम में वापसी का श्रेय दिया। दिग्गज क्रिकेटर ने आगे कहा कि इन खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण मौकों पर फ्रैंचाइजी के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि बहुमुखी बल्लेबाज सूर्यकुमार का यह आईपीएल करियर का सर्वश्रेष्ठ सीजन है। भारत के टी20 कप्तान ने 12 मैचों में 510 रन बनाए हैं जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। मुंबई के इस बल्लेबाज के पास फिलहाल ऑरेंज कैप है, जबकि गुजरात टाइटन्स के साई सुदर्शन (509 रन) और शुभमन गिल (508 रन) शीर्ष स्थान पर हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली चौथे स्थान पर हैं जो सूर्यकुमार से सिर्फ पांच रन पीछे हैं। हार्दिक

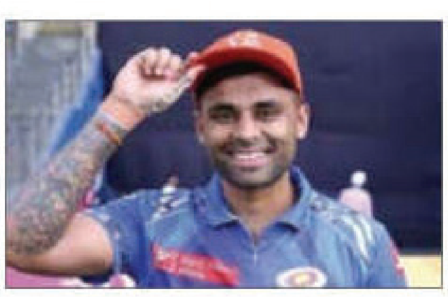

पांड्या की अगुआई वाली टीम की शुरुआत खराब रही और उसने सीजन के अपने पहले मैचों में चार गेम गंवाए। हालांकि पांच बार के चैंपियन ने फिर से वापसी की और लगातार छह मैच जीते लेकिन बारिश से प्रभावित मैच में गुजरात टाइटन्स से तीन विकेट से हार गए। 12 खेलों में 14 अंकों के साथ MI के पास दो गेम शेष रहते प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने का एक मजबूत मौका है। मांजरेकर ने कहा, 'मुझे यकीन नहीं है कि उनका अभियान पटरी से उतर जाएगा, भले ही रयान रिकेल्टन और विल जैक जैसे कुछ विदेशी खिलाड़ी संभावित रूप से प्रमुख खेलों के लिए अनुपलब्ध हों। वे खिलाड़ियों को सही भूमिकाओं में ढालने में कामयाब रहे हैं। शुरुआत में, वे थोड़े अनिश्चित दिखे लेकिन अब उन्हें स्पष्टता मिल गई है। सूर्यकुमार यादव अपने सर्वश्रेष्ठ आईपीएल सीजन में से एक खेल रहे हैं। और जब उच्च दबाव की स्थिति की बात आती है, तो MI के पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो पनपते हैं, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और यहां तक कि रोहित शर्मा, उनके हालिया फॉर्म के बावजूद।'

बिना रोहित-विराट के इंग्लैंड में भारत की अग्नि परीक्षा

नई दिल्ली । भारत और इंग्लैंड के बीच बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरू हो रही है, लेकिन इस बार टीम इंडिया मैदान पर एक अलग ही रूप में नजर आएगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद यह पहली बार होगा जब भारतीय टीम इन दोनों दिग्गजों के बिना टेस्ट मुकाबलों में इंग्लैंड से भिड़ेगी। भारत का ऐतिहासिक रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में कमजोर रहा है। अब तक दोनों टीमों के बीच 136 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें भारत ने केवल 35 में जीत दर्ज की है जबकि इंग्लैंड ने 51 मैचों में बाजी मारी है। वहीं, 50 मैच ड्रॉ पर खत्म हुए हैं। यह आंकड़ा बताता है कि भारत को इंग्लैंड पर पकड़ मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। हालांकि, पिछली सीरीज में भारत ने इंग्लैंड को करारी शिकस्त दी थी। 2024 की घरेलू सीरीज में भारत ने पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला 4-1 से अपने नाम की थी। उस सीरीज में यशस्वी जायसवाल ने बल्ले से कहर बरपाते हुए 712 रन बनाए थे जबकि रविचंद्रन अश्विन ने 26 विकेट झटके थे। इंग्लैंड की ओर से जैक क्रॉली ने 407 रन बनाए और टॉम हार्टले ने 22 विकेट हासिल किए थे। इस बार सीरीज का पहला मुकाबला 20 से 24 जून तक खेला जाएगा, जबकि आखिरी टेस्ट 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच होगा। बाकी टेस्ट मैच क्रमश: 2-6 जुलाई, 10-14 जुलाई और 23-27 जुलाई तक आयोजित किए जाएंगे। वहीं टीम इंडिया के कप्तान को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बार शुभमन गिल को कप्तानी सौंपी जा सकती है। चयन समिति की बैठक 23 या 24 मई तक होने की उम्मीद है। गिल पहले ही लिमिटेड ओवर फॉर्मेट में उप-कप्तान की भूमिका निभा चुके हैं और उन्होंने जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 सीरीज में भारत का नेतृत्व भी किया था। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि युवा जोश से लैस भारतीय टीम इंग्लैंड जैसी अनुभवी टीम के खिलाफ कैसे प्रदर्शन करती है और क्या गिल के नेतृत्व में भारत टेस्ट इतिहास में नया अध्याय लिख पाएगा।

रोहित मध्यक्रम में ऊब जाता था, शास्त्री ने भारतीय बल्लेबाज को ओपनिंग पर भेजने की वजह बताई

दुबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि भारत के पूर्व टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते समय ऊब जाते थे इसलिए उन्होंने 2019 में 'हिटमैन' को सलामी बल्लेबाज बनाने का फैसला किया। शास्त्री का यह फैसला 'मास्टर स्ट्रोक' साबित हुआ और इसने पारंपरिक प्रारूप में रोहित के करियर को नया मोड़ दिया। शास्त्री 2017 में भारत के मुख्य कोच बने और 2021 में उन्होंने राहुल द्रविड़ को कमान सौंप दी। उनके चार साल के कार्यकाल के दौरान रोहित भारत के सबसे आक्रामक टेस्ट सलामी बल्लेबाज में से एक बन कर उभरे।

शास्त्री ने 'आईसीसी रिव्यू' में कहा, 'चार, पांच नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए यह लड़का ऊब जाता था। मैंने फिर इस पर विचार करना शुरू किया कि वह वनडे क्रिकेट में इतना सफल क्यों है? वह बल्लेबाजी के लिए मैदान पर जल्दी जाना पसंद करता है।' भारत के इस पूर्व दिग्गज हरफनमौला ने कहा, 'मैंने सोचा कि अगर उसे पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा जाए तो उसके पास तेज गेंदबाजों को खेलने, शॉट लगाने के लिए पर्याप्त समय होगा। उसके लिए मंच तैयार था। वह अगर इसे अपना ले तो उसके टेस्ट करियर को नई दिशा मिल सकती है।'

रोहित ने हाल ही में खेल के इस पारंपरिक प्रारूप को अलविदा कह दिया। उन्होंने अपने शानदार करियर में 67 मैचों में 12 शतक और 18 अर्धशतक की मदद से 4,301 रन बनाए। शास्त्री ने कहा कि उन्होंने 2019 विश्व कप के दौरान ही रोहित का इस्तेमाल टेस्ट में सलामी बल्लेबाज के रूप में करने का फैसला कर लिया था। वह इस विश्व कप में पांच शतक और 81 की औसत से 648 रन बनाकर टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे।

इस पूर्व ऑलराउंडर ने कहा कि उन्होंने तत्कालीन कप्तान विराट कोहली के साथ रोहित को सलामी बल्लेबाज के तौर पर आगे बढ़ाने के विचार पर चर्चा की थी। रोहित को तुरंत सफलता मिली, उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शीर्ष क्रम में अपने पहले टेस्ट में दो शतक जड़े। शास्त्री ने रोहित के बारे में कहा, 'उन्होंने पांचवें और छठे नंबर पर काफी बल्लेबाजी की लेकिन वह पूरी एकाग्रता नहीं दिखा पाते थे। वह 20, 30 रन बनाकर अपना विकेट गंवा देते थे। (मैंने सोचा) चलो उसे दबाव में डालते हैं और उसे (बल्लेबाजी क्रम में) ऊपर भेजते हैं। मुझे याद है कि मैंने उससे वेस्टइंडीज में कहा था 'हम चाहते हैं कि तुम पारी का आगाज करो।' रोहित ने टेस्ट के अपने 12 शतकों में से नौ शतक सलामी बल्लेबाज के तौर पर लगाये है। उन्होंने कहा, 'मैं अगर गलत नहीं हूं तो यह (फैसला) अगस्त 2019 में लिया गया था। उस विश्व कप के बाद। विश्व कप में उसने शानदार बल्लेबाजी की थी।

इसलिए उनका फॉर्म बहुत अच्छा था। उसने इसके बारे में कुछ समय तक विचार किया होगा। वह इससे असहज नहीं था।'

शास्त्री ने कहा, 'उसने पारी का आगाज करते हुए अपने पहले टेस्ट मैच में शतक जड़ा था। मैं अगर गलत नहीं हूं, तो उन्होंने पहली पारी में 100 रन बनाए और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा क्योंकि वह इसका लुत्फ उठाने लगा था।' शास्त्री ने कहा कि रोहित ने अपनी तकनीक और नरम हाथों से शॉट खेलने का काफी अभ्यास किया। उसने अपनी तकनीक पर बहुत काम किया क्योंकि मुझे लगता है कि उसने इंग्लैंड में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी की थी। इंग्लैंड में परिस्थितियां काफी अलग होती है।'

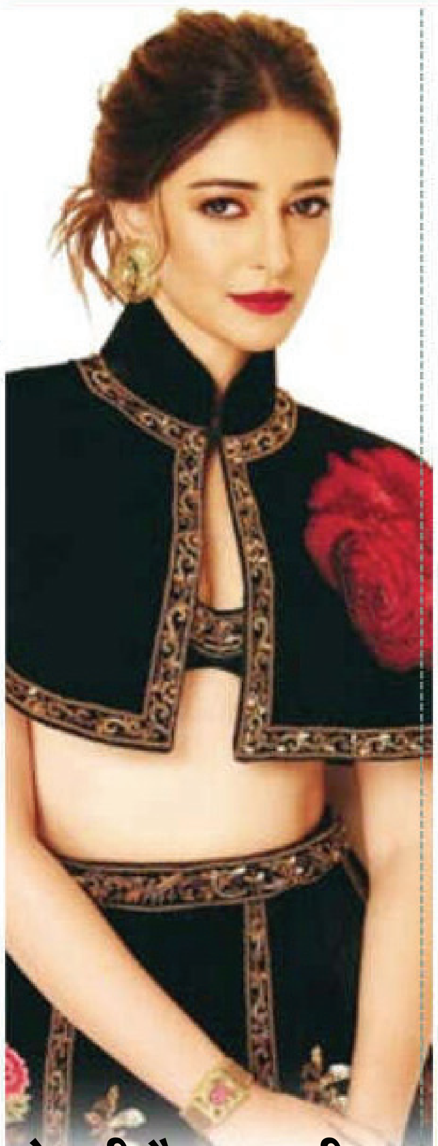

केसरी चैप्टर 2 की कामयाबी से मजबूत हुईं अनन्या पांडे, लेना चाहती हैं ये जोखिम

अभिनेत्री अनन्या पांडे को हाल ही में फिल्म केसरी चैप्टर 2 में देखा गया था। उन्होंने कहा है कि वह और भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण रोल अदा करने के लिए तैयार हैं। अनन्या ने साल 2019 में स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद वह गहराइयां और सीटीआरएल जैसी में नजर आईं। हर फिल्म में उनकी अलग काबिलियत दिखाई दी है।

अधिक चुनौतीपूर्ण फिल्में करना चाहती हैं अनन्या

फिल्म कंपेनियन से बातचीत में अन्नया पांडे ने कहा मुझे लगता है कि पहले हमने भले बदहवासी में फैसला किया हो लेकिन अब पूरे होश व हवास में फैसला किया है। मैं नहीं चाहती कि मैं जैसी दिखती हूं उसी तरह जानी जाऊं। मैं गहराई में उतरना चाहती हूं। मैं अपने आपको धक्का देना चाहती हूं। मैंने महसूस किया है कि कई प्रोजेक्ट में काम करने के बाद मैं वापस नहीं जाना चाहती।

एक शैली में सीमित नहीं रहना चाहती अनन्या

अनन्या पांडे चुनौतीपूर्ण किरदारों के साथ प्रयोग करना चाहती हैं। पति पत्नी और वो और ओटीटी सीरीज कॉल मी बे में काम करने के बाद, अनन्या को लगता है कि अगर वह सिर्फ एक शैली तक ही सीमित रहती हैं, तो यह उनके फैंस के साथ अन्याय होगा।

अनन्या की पिछली फिल्म के बारे में

अनन्या पांडे ने हाल ही में रिलीज हुई केसरी चैप्टर 2 में अपने प्रदर्शन के लिए प्रशंसकों और आलोचकों दोनों से तारीफें लूटी हैं। फिल्म में उन्होंने दिग्गज अभिनेता अक्षय कुमार के साथ दिलरीत गिल की भूमिका निभाई है। फिल्म में आर माधवन भी हैं। फिल्म का निर्देशन करण सिंह त्यागी ने किया है। ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर हिट रही है। फिल्म ने पहले तीन हफ्तों में लगभग 81.5 करोड़ रुपये कमाए हैं।

दीपिका पादुकोण ने स्पिरिट के लिए मांगी 20 करोड़ फीस

बॉलीवुड की सुपरस्टार दीपिका पादुकोण बीते साल 2024 में प्रभास के साथ तेलुगू में बनी पैन इंडिया रिलीज कल्कि 2898एडी में नजर आई थीं। फिर वह रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में डीसीपी शक्ति शेट्टी बनकर धुआंधार एक्शन करती नजर आईं। अब आगे वह शाहरुख खान के साथ जहां किंग में नजर आएंगी, वहीं खबर है कि उन्हें प्रभास के साथ एक बार फिर से स्पिरिट में कास्ट किया गया है। और तो और, एनिमल फेम संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म के लिए दीपिका ने इतनी तगड़ी फीस ली है कि वह सुर्खियों में आ गई हैं!

दीपिका पादुकोण बीते साल 8 सितंबर 2024 को मां बनी हैं। वह इन दिनों बेटी दुआ की परवरिश में वक्त दे रही हैं। इस बीच रिपोर्ट में बताया गया है कि संदीप रेड्डी वांगा ने उन्हें प्रभास के अपोजिट स्पिरिट में कास्ट किया है। यह पर्दे पर मां बनने के बाद उनकी कमबैक फिल्म होगी। रिपोर्ट में फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र के हवाले से कहा गया है कि दीपिका को इस फिल्म के लिए उनके करियर की सबसे अधिक फीस मिल रही है।

दीपिका ने स्पिरिट के लिए ली है 20 करोड़ फीस!

हालांकि, सटीक आंकड़े की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन इनसाइडर रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि दीपिका पादुकोण को स्पिरिट के लिए करीब 20 करोड़ रुपये फीस मिल रही है। यदि यह सच है, तो दीपिका भारतीय सिनेमा में सबसे अधिक फीस लेने वाली एक्ट्रेस बन जाएंगी।

देश की सबसे महंगी एक्ट्रेस में रश्मिका, प्रियंका, आलिया का भी नाम

देश में सबसे मोटी फीस लेने वाली एक्ट्रेसस में इस वक्त रश्मिका मंदाना से प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट जैसी एक्ट्रेसेस का नाम शुमार है। फिल्हाल, टॉप एक्ट्रेसेस की फीस 10-15 करोड़ के बीच है। लेकिन दीपिका की 20 करोड़ की फीस इस मायने में एक नया बेंचमार्क है। हालांकि, इस फीस की चर्चा ऐसे समय में भी हो रही है, जब कई दिग्गज फिल्ममेकर्स एक्टर्स की बढ़ती फीस को लेकर चिंता जता चुके हैं।

दीपिका ने दी हैं हिट, सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में

वैसे, दीपिका पादुकोण की फीस का बढ़ना कोई आश्चर्य नहीं है। ऐसा इसलिए कि उनकी झोली में पद्मावत, बाजीराव मस्तानी पीकू, ये जवानी है दीवानी और जवान जैसी हिट, सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं। इसमें कोई दोराय नहीं है कि दीपिका इस वक्त इंडस्ट्री की सबसे काबिल और सबसे भरोसेमंद स्टार हैं।

जून-जुलाई में शुरू हो जाएगी स्पिरिट की शूटिंग

जहां तक स्पिरिट की बात है, तो प्रभास और दीपिका के साथ संदीप रेड्डी वांगा इसे ग्रैंड लेवर पर बना रहे हैं। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म बताई जा रही है, जिसे पैन इंडिया रिलीज किया जाएगा। स्पिरिट की शूटिंग 2025 में जून-जुलाई के आसपास शुरू हो सकती है। प्रभास-दीपिका की पिछली फिल्म कल्कि - 2898एडी ने बॉक्स ऑफिस पर देश में 646.31 करोड़ का नेट कलेक्शन और वर्ल्डवाइड 1042.25 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया था।

पंचायत 4 के सभी पहलू लोगों को हंसाएंगे और रुलाएंगे भी...

फैसल मलिक इन दिनों अपनी अगली वेब सीरीज पंचायत 4 को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इस सीरीज का टीजर रिलीज हुआ है। पंचायत में किरदार ऐसे लिखे गए हैं जिनसे लोग खुद को जोड़ लेते हैं। वो सीधा-सादा इंसान किसी को भी अपने पापा या चाचा जैसा लग सकता है। यही कॉमेडी और इमोशन का मेल है जो पंचायत को खास बनाता है।

पंचायत देखकर गांव वाले सराहते हैं या नाराज होते हैं?

गांव वाले बहुत प्यारे लोग हैं। शूटिंग के दौरान खाना खिलाते हैं, मदद करते हैं। अब तो पहचान भी गए हैं कि हम ढाई महीने वहीं रहेंगे। इसलिए एक अपनापन लगता है उनके बीच।

पंचायत 4 में क्या नया है?

इस बार तो धमाल है! जब पहला सीजन बना था तब नहीं सोचा था इतना चलेगा, 2 बना तो उससे ज्यादा चला, 3 ने दोनों को पीछे छोड़ा। 4 में तो सबकुछ है। कहानी, डायरेक्शन और इमोशन, सभी का लेवल अप है। अब इस सीरीज को लोग खुद वायरल कर देते हैं, हमें खुद नहीं पता चलता कि सीरीज का कौनसा सीन कितना बड़ा हिट हो गया। इस बार के सीजन में सभी पहलू दर्शकों को हसाएंगे और रुलाएंगे भी। ये सीजन भी सभी के साथ कनेक्ट करेगा।

राधिका आप्टे की सिस्टर मिडनाइट सिनेमाघरों में होगी रिलीज

अभिनेत्री राधिका आप्टे की बाफ्टा नॉमिनेटेड फिल्म सिस्टर मिडनाइट 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का लेखन और निर्देशन करण कंधारी ने किया है। यह उनके निर्देशन की पहली फिल्म है। इसका निर्माण एलेस्टेयर क्लार्क, एना ग्रिफिन और एलन मैकएलेक्स द्वारा किया गया है।

फिल्म की कहानी राधिका आप्टे के किरदार के आस-पास घूमती है। नवविवाहित उमा (राधिका आप्टे) अपने पति गोपाल (अशोक पाठक) के साथ जीवन में सामंजस्य बैठाने की कोशिश करती है। मुंबई में एक छोटे से कमरे में साथ रहना उसके लिए आसान नहीं है। खासकर तब जब गोपाल घंटों गायब रहता है। बेमन से वह पड़ोसी शीतल (छाया कदम) की मदद से खाना बनाना सीखती है। इसके बाद गोपाल के चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के बाद असंतुष्ट उमा के लिए चीजें बदल जाती हैं। मच्छर के काटने से वह बीमार महसूस करने लगती है, वह पीली और पतली हो जाती है। धीरे-

बाफ्टा में हुई नामांकित

इस साल के बाफ्टा में उत्कृष्ट ब्रिटिश डेब्यू के लिए नामांकित 'सिस्टर मिडनाइट' 77वें कान फिल्म फेस्टिवल में सबसे चर्चित फिल्म थी। यह फिल्म गोल्डन कैमरा पुरस्कार और डायरेक्टर्स फोर्टनाइट के लिए नामांकित की गई थी। ब्रिटिश इंडिपेंडेंट फिल्म अवार्ड्स (क्क्ष्ढ्ढ) के लिए भी यह नामांकित हुई थी। 'सिस्टर मिडनाइट' ने ऑस्टिन के फैंटास्टिक फेस्ट में नेक्स्ट वेव अवार्ड में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार भी जीता।

ऐसी फिल्म करना चाहता था, जिससे सम्मान मिले

वेटरन एक्टर आदित्य पंचोली के बेटे और अभिनेता सूरज पंचोली इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'केसरी वीर' को लेकर चर्चाओं में बने हैं। फिल्म इसी महीने रिलीज होने वाली। इस बीच सूरज पंचोली ने अपने करियर को लेकर बात की। साथ ही अभिनेत्री जिया खान की मौत के मामले के बाद आई मुश्किलों पर भी खुलकर बात की। बातचीत में सूरज पंचोली ने कहा, मैं कई स्क्रिप्ट सुन रहा था, लेकिन मैं ऐसी फिल्म करना चाहता था जिससे मुझे सम्मान मिले। जो भी कैमरे के पीछे या सामने काम करता है, वे सभी बहुत मेहनत करते हैं। जब आपके काम की सराहना नहीं होती है, तो आप वास्तव में निराश महसूस करते हैं। इसलिए मैं ऐसी फिल्म करना चाहता था, जिसके बारे में लोग कहें कि ठीक है, शायद सूरज सक्षम है।

'केसरी वीर' को मैंने खुले दिमाग से किया अभिनेता ने आगे कहा, मैं फिल्मों में काम शुरू करने से पहले अपनी जिंदगी को पटरी पर लाना चाहता था। मैं एक दिन बैठा और अपने माता-पिता से बात की। मैंने कहा कि मुझे यह काम पूरा करने दीजिए, मैं बाद में काम करूंगा। मैं जो चाहूंगा करूंगा, लेकिन पहले मुझे यह काम पूरा करने दीजिए। भगवान का शुक्र है कि मैं यह सब अब कर चुका हूं। 'केसरी वीर' पहली फिल्म है जिसे मैंने नए, खुले और केंद्रित दिमाग से किया है। मैं केवल इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं कि कैसे प्रदर्शन करना है। अच्छी चीजों में समय लगता है। अथिया शेट्टी के साथ फिल्म 'हीरो' से अपने करियर की शुरूआत करने वाले सूरज पंचोली अब 'केसरी वीर' में अथिया के पिता सुनील शेट्टी के साथ नजर आ रहे हैं। इस पर सूरज का कहना है, अथिया ने 'हीरो' में मेरे पिता के साथ काम किया और अब मैं सुनील सर के साथ काम कर रहा हूं। इसलिए, यह सब वापस आ रहा है। मेरे लिए अपने जीवन को फिर से शुरू करने के लिए इस फिल्म से बेहतर कुछ नहीं है।

23 मई को रिलीज होगी 'केसरी वीर'

'केसरी वीर' में सूरच पंचोली के साथ सुनील शेट्टी, आकांक्षा शर्मा और विवेक ओबेरॉय भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। प्रिंस धीमन द्वारा निर्देशित यह फिल्म 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

मुझे अचानक स्टार प्लस से एक हजारों के लिए लॉक कर दिया

निया शर्मा इन दिनों निया लाफ्टर शेफ्स 2 में जमकर लोगों का मनोरंजन कर रही हैं। हालांकि यहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी जद्दोजहद की है। उन्होंने अपनी लाइफ के स्ट्रगल का किस्सा खुद सुनाया था और बताया था कि शुरुआती दिनों में वो किस तरह के घर में रही हैं। निया ने कहा कि सच ये है कि उन्हें एक्टिंग में आना ही नहीं था। उन्होंने एक बार भारती और हर्ष लिंबाचिया के चैट शो पर कहा कि उन्हें जर्नलिज्म स्टूडेंट बनना था तो हिंदी इंग्लिश में अपना कैमरा उठाकर माइक पर बोलना शुरू किया। निया शर्मा ने कहा, हमेशा से ये सब करती थी मैं स्टेज वगैरह पर। मुझे जर्नलिज्म में ही जाना था तो उसके लिए मैं इधर-उधर जाती रहती थी इंटर्नशिप कर ली, कहीं कुछ कर ली।

दिल्ली वापस जाकर कुछ और करने का था प्लान

इस थ्रोबैक चैट पर उन्होंने कहा था, हर्ष, आप बिलीव नहीं करोगे, मेरा वही ऑडिशन हो गया और वो मेरे को मुंबई ऑडिशन बुलाए, फर्स्ट सेकंड होगा, मैंने उतने ऑडिशन दिए भी नहीं। एक हजारों ..नहीं वो काली एक अग्नि परीक्षा के लिए था, जिसमें आशुतोष राणा थे। वो कोई रियल स्टोरी थी,मेरा मम्मी ने जाने दिया, स्टार प्लस का शो था तो कौन मना करेगा। तो मै आ गई, सोचा 6 महीने के बाद वापस दिल्ली जाकर अपना पोस्ट ग्रैजुएशन करूंगी और जर्नलिज्म बीसीए, एमसीए होता है वो करूंगी। उन्होंने आगे कहा, मैंने वापस जा रही थी, मम्मी के लिए गिफ्ट खरीद लिए, सब हो गया तो मुझे अचानक स्टार प्लस से एक हजारों के लिए लॉक कर दिया सेकंड ऑडिशन मैंने कब दिया होगा याद भी नहीं। मेरा टिकट कैंसिल हुआ दिल्ली का। वो शो एक साल से पाइपलाइन में था।

मैंने स्क्रैच से स्टार्ट किया, उस घर में रही जहां सामने बेड था

अपनी को-स्टार क्रिस्टल के बारे में बातें करते हुए निया ने कहा, उसके पास गाड़ी भी थी, मैं एक रेंटेड अपार्टमेंट में पीजी में रहती थी तब एक रूम वाले फ्लैट में। फोर्थ फ्लोर पर, लिफ्ट भी नहीं थी उसमें, पॉट भी इंडियन था। इमैजिन भी नहीं कर सकते। मैंने स्क्रैच से स्टार्ट किया। मैं वैसे भी घरों में रही हूं जहां पे दरवाजा खुलते ही सामने मेरा बेड था।, जो ओनर थे उसका वन रूम किचन में उसका रूम था। मैं सामने सो रही होती थी यार गेट खुलते ही इतने से बेड पर, मैं ऐसे पीजी में भी रही हूं। उन्होंने कहा, वो पूरी-पूरी रात पार्टीज़ करती थी अपने 80 हजार फ्रेंड्स लेकर आती थी उस घर में, मुझे सुबह वापस साढ़े 8 बजे मुझे सेट पर जाना होता था, 3 बजे मुझे छोड़ते थे, मुझे सिर्फ 4 घंटे की नींद होती थी जिसमें से वे पार्टी किया करते, मैं बालकनी में बैठकर रोई हूं।

ज़ायद खान की ओटीटी पर धमाकेदार डेब्यू होने का वादा

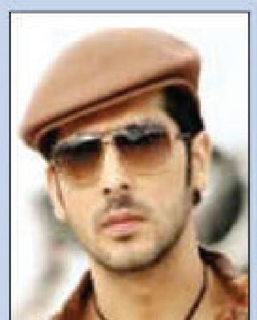

बॉलीवुड अभिनेता ज़ायद खान अपनी बहुप्रतीक्षित फ़िल्म द फ़िल्म दैट नेवर वाज़ के साथ ओटीटी डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मोहित श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म अपने अनोखे विज़न और अभूतपूर्व हास्य की गारंटी के चलते पहले से ही चर्चा में है। फिल्म में लगभग 22 बॉलीवुड सितारों के कैमियो होने की चर्चाओं ने फिल्म प्रेमियों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है, जो ज़ायद को उनके अब तक के करियर से बिल्कुल अलग भूमिका में देखने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। 'द फिल्म दैट नेवर वाज़' की खासियत सिर्फ इसके सितारों से सजी कास्ट में ही नहीं है, बल्कि इसके चारों ओर फैले रहस्य में भी है। फिल्म के बारे में जानकारियाँ बेहद गोपनीय रखी जा रही हैं, जिससे दर्शकों की जिज्ञासा और भी बढ़ गई है। ज़ायद ने खुद इशारा किया है कि उनका किरदार, इस फिल्म में जिसे शॉर्ट में TFTNW कहा जा रहा है, उनके लिए पूरी तरह नया और चुनौतीपूर्ण है। इससे साफ होता है कि फिल्म में उनका रूपांतरण कुछ ऐसा होगा जिसे देखने के लिए दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। यह फिल्म सिर्फ एक हास्य फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक यात्रा भी प्रतीत हो रही है, जो दर्शकों के दिल को भी छू सकती है।

'संविधान बचाओ रैली' में मोदी सरकार की विफलताएं उजागर करेंगे कांग्रेस नेता

ऑपरेशन सिंदूर में सैनिकों के जोश को देंगे सलाम

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़, (प्रभु राम) , राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार संविधान बचाओ जिला स्तरीय रैली को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी संगरिया व टिब्बी के वरिष्ठ नेताओं की ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यालय संगरिया में हुई। बैठक में 24 मई को टिब्बी के अग्रवाल पैलेस में होने वाली जिला स्तरीय 'संविधान बचाओ रैली' के आयोजन की रूपरेखा, कार्ययोजना, प्रचार-प्रसार, तैयारियों पर चर्चा कर रैली को सफल बनाने के लिए चर्चा की गई। डीसीसी अध्यक्ष सुरेन्द्र दादरी ने बताया कि एआईसीसी महासचिवों, प्रभारी और अग्रिम संगठनों के प्रमुखों की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार संविधान बचाओ अभियान को ऐतिहासिक 40 दिवसीय राष्ट्रीय आन्दोलन के माध्यम से पूर्ण समर्पित भाव से आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई है। इन रैलियों में मोदी सरकार की दैनिक विफलताओं, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, लघु एवं मध्यम उद्योगों का पतन, ग्रामीण संकट और कल्याणकारी नीतियों को जान-बूझकर कमजोर करने के षड्यंत्र को उजागर किया जाएगा। इन रैलियों में

युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरों और वंचित समुदायों का व्यापक जुड़ाव सुनिश्चित किया जाएगा। विधायक अभिमन्यु पूनियां ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से निरंतर दबाव के बाद, मोदी सरकार जो लम्बे समय से जाति जनगणना की इस मांग का उपहास उड़ाती रही थी और टालती रही थी अब अंततरू एक न्यायसंगत और लोकतांत्रिक जाति-आधारित जनगणना की मांग को स्वीकार करने के लिए बाध्य हो गई है। सामाजिक न्याय के लिए जाति जनगणना आवश्यक है। जातिय जनगणना की घोषणा राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खडगे और कांग्रेस के दबाव में हुई है। इस मुद्दे को जनता के बीच में लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि रैली में ओबीसी, दलित और आदिवासी

समुदायों को निजी शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए संविधान के अनुच्छेद 15 (5) को तत्काल लागू करने, जाति जनगणना में किसी भी प्रकार की देरी, बहानेबाजी या प्रशासनिक टालमटोल नहीं करने, यह प्रक्रिया पारदर्शी, समयबद्ध हो, जिसमें संसद में तत्काल बहस पूर्ण बजटीय प्रावधान शामिल हो, प्रश्नावली, गणना, वर्गीकरण और डेटा प्रकाशन की प्रक्रिया समावेशी और सहभागी हो, नवीनतम जातीय आंकड़ों का उपयोग आरक्षण, शिक्षा, रोजगार और लक्षित कल्याण नीतियों की समीक्षा और मजबूती के लिए करने की मांग प्रमुखता से उठाई जाएगी। ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर गोदारा ने बताया कि रैली के माध्यम से बीजेपी की बहुजन विरोधी सोच, जाति गणना के विरोध और सामाजिक न्याय को दबाने के प्रयासों को उजागर किया जाएगा। यह पूरा अभियान एकजुट, स्पष्ट और दृढ़ सम्प्रेषण राजनीति के तहत चलेगा ताकि सामाजिक न्याय के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता को उच्च स्तर पर उजागर किया जा सके। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जाति रामेश्वर चावरियां, डीसीसी उपाध्यक्ष जगदीश राठौड, चंद्रपाल भोबिया, भीमसेन गोदारा, महासचिव पवन सेठी, अवतारसिंह, सुखपालसिंह, सुरेंद्र कांसल, मोहम्मद हुसैन खोखर, जयराम ढुकियां, जयपाल धारणियां, अशोक चौधरी, यूथ जिलाध्यक्ष विनोद बुडानियां, हर्षवर्धन झींझा, नगर अध्यक्ष सुनील धारणियां, संजीव सोनी, पवन सोनी, नरेश बेनीवाल, सुभाष चोरडिया, सतपाल खिलेरी, अनिल चोयल, शमशेर चहल, ओम प्रकाश छाबड़ा, रविंद्र सहारण, विकास धारणियां, राहुल झाझडियां, परम खोसा, सुनील जाखड़, जगमोहन सिंह, संजय कालीराणा, योगेश भोबिया, अश्विनी थापन सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद थे।

नागाणा की बेटी प्रियंका ने सीबीएसई बोर्ड में 99.40 अंक हासिल किये गांव नागाणा का बढ़ाया मान

पापा का सपना करना है पूरा बनना है :- आईएएस प्रियंका

मरुधर विशेष

हीराराम सेजू पचपदरा सीबीएसई 12 वीं परीक्षा में सीकर के प्रिंस एकेडमी से प्रियंका ने ऐतिहासिक सफलता हासिल की। बालोतरा जिले के पचपदरा विधानसभा के नागाणा गांव निवासी प्रियंका पुत्री हनुमान राम गोदारा ने 99.40 अंक हासिल किए। प्रियंका गोदारा ने बताया कि शुरू से ही मेरे पिता का सपना था कि बेटी कुछ बनना है । मेरे पिता हनुमाना राम गोदारा का स्वर्गवास 2014 हो जाने के बाद मेरी माता झम्मकु देवी व मेरे भाई राहुल गोदारा, जयदेव गोदारा, काका पुनाराम गोदारा ने पुरा साथ दिया। मुझे नागाणा से सीकर प्रिंस एकेडमी विधालय से पढ़ाई के लिए भेजा। पढ़ने में उनकी माता व दो भाइयों व काका का बहुत ही सहयोग रहता है । फिर भी मुझे घर के काम से दूर रखते हुए सिर्फ पढ़ाई पर फोकस करने को कहा फिर परिवार के स्पोर्ट व प्रियंका ने अपनी मेहनत से अपने विश्वास से यह अंक हासिल किए हैं। परिवार के सहयोग और स्कूल के अध्यापकों के सपोर्ट से अपनी मेहनत जारी रखी। उन्होंने अलग-अलग जगह पर पढ़ाई करने की बजाय जो किताबें उनके

पास ही उसी को उन्होंने बार-बार पढ़ा उसी की बदौलत उन्होंने 12वीं कक्षा में 99.40 अंक हासिल किए हैं। प्रियंका ने बताया कि वह आईएस बनना चाहती है । वह अपने पिता का सपना पूरा करना चाहती है।

प्रियंका का कहना है कि मेरे पिताजी के स्वर्गवास होने के बाद मेरे काका पुनाराम जी गोदारा ने मेरा बहुत सपोर्ट किया वह मुझे ऐसे अंक लाने के लिए हौसला और उत्साह अफजाई किया।

अलवर जिला ब्राह्मण समाज की प्रथम समीक्षा बैठक एवं समाज सेवी संस्थाओं का किया सम्मान

मरुधर विशेष

अलवर । अलवर जिला ब्राह्मण सभा द्वारा पहली बार भव्य शोभायात्रा के पश्चात समीक्षा बैठक एवं सहयोगी समाजिक संगठनो / समाजसेवी व्यक्तियों जिन्होंने विशेष रूप से भव्यता में साथ रहे, उनका ब्राह्मण छात्रावास में सम्मान समारोह आयोजित किया गया । जिसमें परशुराम जन्मोत्सव संयोजक डॉ दीपक शर्मा ने बताया कि इस सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि पंडित धर्मवीर, जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, त्रिपोलिया महंत जितेन्द्र खेड़ापति , संरक्षक अशोक कुद्ल, गोविंदगढ अध्यक्ष कैलाश भगवती रहे । इसमें अलवर जिला ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष विश्वभर दयाल वशिष्ठ ने बताया कि इस वर्ष पिछले वर्षों कि भांति महिला पुरुष बच्चों वृद्धजनो ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और समाज में एक सकारात्मक ऊर्जा का विकास किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम के आगे दीप प्रज्ज्वलित एवं माला पहनाकर किया गया। इस दौरान सम्मानित जनों में महंत त्रिपोलेश्वर, इस्कान अलवर, विप्र फाउंडेशन, सनातन ब्राह्मण कल्याण फाउंडेशन, वैष्णव ब्राह्मण समाज, आदि गौड़ ब्राह्मण सेवा समिति, चाणक्य परिवार, श्री परशुराम कला मंदिर समिति, वैदिक ब्राह्मण संघ, हरियाणा ब्राह्मण समाज, राजस्थान ब्राह्मण समाज, राज. ब्रम्हा कार्मिक समूह, महिला मंडल अलवर ब्राह्मण सभा, ब्राह्मण समाज पटरी पार, विशेष पहलगाम हमले झांकी स्टेप बाय स्टेप, परशुराम सर्किल समिति, अलवर जिला युवा ब्राह्मण समाज एवं समाज सेवी झम्मन लाल शर्मा,कवि योगेश वशिष्ठ, यश जोशी, जगराम शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, महेश उपाध्याय, डॉ गोपाल शास्त्री शर्मा, पंकज शर्मा, केपी शर्मा, महिला प्रकोष्ठ से रेणु मिश्रा, सत्यनारायण शर्मा, राजेश शर्मा, रमेश शर्मा, कपिल शर्मा, देवदत्त शर्मा, पदम जोशी, शम्भू दयाल शर्मा,प्रकाश शर्मा, नवीन शर्मा, विनोद शर्मा, दीपक पंडित, प्रमोद शर्मा, प्रतीक शर्मा, विवेक शर्मा , साहिल शर्मा, यक्ष जोशी, सागर शर्मा , दिनेश शर्मा, नरेश शर्मा, विजय सारस्वत रामावतार शर्मा, नरेश शर्मा, हरिओम शर्मा, सुरेश शर्मा, चन्दपुनीत शर्मा आदि का सम्मान दुपट्टा पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र शील्ड देकर किया गया।कार्यक्रम के मंच संचालन मोहित पंडित ने बताया कि जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने सभागार में 10 एयर कंडीशनर लगवाने की पहल रखी ।

भीषण गर्मी का प्रकोप बढ़ा, आमजन बरतें एहतियात - लू के चलते स्वास्थ्य विभाग ने फिर की अपील, लू-तापघात से बचाव बेहद जरूरी

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़, (प्रभु राम) जिले में अत्यधिक गर्मी के चलते चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से फिर से विशेष एहतियात बरतने की अपील की है। इन दिनों बढ़ रही अत्यधिक गर्मी व लू-तापघात होने से आमजन चपेट में आ सकते हैं, खासकर हाईरिस्क वाले लोगों को ख्याल रखने की जरूरत है। वहीं गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य केन्द्रों पर विशेष सावधानी बरतने की विभाग ने निर्देश दिए हैं। सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने सभी अस्पतालों में रोगियों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, संस्थान में रोगी के उपचार के लिए आपातकालीन किट में ओआरएस, ड्रिपसेट सहित अन्य आवश्यक दवाइयां रखने के निर्देश पूर्व में दिए हैं, उन्हें एकबार फिर से अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि शरीर में लवण व पानी अपर्याप्त होने पर विषम गर्म वातावरण में लू व

तापघात से सिर का भारीपन व अत्यधिक सिरदर्द होने लगता है। इसके अलावा अधिक प्यास लगना, शरीर में भारीपन के साथ थकावट, जी मिचलाना, सिर चकराना व शरीर का तापमान बढना, पसीना आना बंद होना, मुंह का लाल हो जाना, त्वचा का सूखा होना, अत्यधिक प्यास का लगना व बेहोशी जैसी स्थिति का होना आदि लक्षण आने लगते हैं। चिकित्सकीय दृष्टि से लू-तापघात के लक्षण, लवण व पानी की आवश्यकता व अनुपात विकृति के कारण होती है। मस्तिष्क का एक केन्द्र जो मानव के तापमान को सामान्य बनाए रखता है, काम करना छोड़ देता है। ऐसे में रोगी को तुरंत छायादार जगह पर कपड़े ढीले कर लेटा दिया जावे। रोगी को होश मे आने की दशा मे उसे ठण्डा पेय पदार्थ, जीवन रक्षक घोल, कच्चा आम का पन्ना दें। डॉ. शर्मा ने बताया कि यदि उक्त सावधानी के बाद भी मरीज ठीक नहीं होता है, तो उसे तत्काल निकट की चिकित्सा संस्थान ले जाया जाए। स्वास्थ्य संबंधी जरूरत होने पर तत्काल 108 को कॉल करें या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर जाएं। नरेगा अथवा अन्य श्रमिकों के कार्यस्थल पर छाया एवं पानी का पूर्ण प्रबन्ध रखा जावे ताकि श्रमिक थोड़ी-थोड़ी देर में छायादार स्थानों पर विश्राम कर सकें।

डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि जहां तक सम्भव हो धूप में न निकलें, धूप में शरीर पूर्ण तरह से ढका हो। धूप में बाहर जाते समय हमेशा सफेद या हल्के रंग के ढीले व सूती कपड़ों का उपयोग करें। बहुत अधिक भीड़ व गर्म घुटन भरे कमरों से बचें। बिना भोजन किए बाहर न निकलें। गर्दन के पिछले भाग कान एवं सिर को गमछे या तौलिये से ढक कर ही जरूरी होने पर बाहर निकलें। रंगीन चश्में एवं छतरी का प्रयोग करें। गर्मी मे हमेशा पानी अधिक मात्रा मे पिएं एवं पेय पदार्थो जैसे निंबू पानी, नारियल पानी, ज्यूस आदि का प्रयोग करें। लू तापघात से प्राय हाईरिस्क श्रेणी वाले लोग जैसे कि कुपोषित बच्चे, वृद्धजन, गर्भवती महिलाएं व शुगर, बीपी आदि के मरीज शीघ्र प्रभावित होते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने पर निकाली तिरंगा यात्रा विधायक डॉ कृष्ण कुमार रहे मौजूद

मरुधर न्यूज सुनीता सैनी

बावल देश सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर गर्व महसूस कर रहा है सेना नें पाकिस्तान मे आतंकवादी अड्डों क़ो तबाह करके देश का गौरव बढ़ाया है पूरा देश सेना पर गर्व महसूस कर रहा है बावल मे भगतराम चौक से लेकर अम्बेडकर चौक तक तिरंगा यात्रा निका ली कार्यक्रम मे विधायक डॉ कृष्ण कुमार नपा उपप्रधान अर्जुन चौकन समाजसेवी अनिल रायपुर ईश्वर सिंह सहित अनेक लोगो नें भाग लिया विधायक डॉ कृष्ण कुमार नें कहा पाकिस्तान की नापाक हरकत का जवाब भारतीय सेना नें उसी की भाषा मे दिया है देश सुरक्षित हाथो मे है सभी देशवासियो क़ो भारतीय सेना पर गर्व है उन्होंने कहा एक साल मे बावल का नक्सा बदल जायेगा स्वास्थ शिक्षा क़ो लेकर उन्होंने योजना बनाई है जनता के बीच रहकर लोगो की सेवा करेंगे प्रदेश मे बिना खर्ची पर्ची की सरकार है गरीबो के लिए काम करती है बिना भेदभाव नोकरिया दी जा रही है समान रूप से विकास कार्य हो रहे है उन्होंने कहा वे नेता नहीं जनता के सेवक है लोगो के बीच रहकर सेवा करेंगे विधायक नें बताया की जनता काम बताये सरकार काम करेगी प्रदेश मे भर्ष्टाचार क़ो जड़ खत्म किया जा रहा है अधिकारियो क़ो निर्देश दिए है लोगो से शालीनता से व्यवहार करे जनता के कार्यों क़ो शीघ्रता से निपटाए इस अवसर पर नपा उपप्रधान अर्जुन चौकन अनिल रायपुर ईश्वर सिंह डॉ विजय कुमार सुनील कुमार जगदीश कपूर कुलदीप संजय सहित अनेक लोग मौजूद रहे

रोडवेज में स्टाफ का टोटा,लंबी दूरी की बस का संचालन किया बन्द

मरुधर विशेष

अलवर। राजस्थान रोडवेज प्रशासन जहां यात्रियों की सुविधाओं को दरकिनार कर रहा है।वही रोडवेज के राजस्व को नुकसान पहुंचा रहा है।अलवर रोडवेज प्रशासन ने अलवर से लंबे रूट पर चलने वाली बसों को बंद कर दिया है।नतीजन यात्रियों को ट्रेन से सफर करना पड़ता है या दिल्ली से बस बदलनी पड़ती है। दरअसल रोडवेज प्रशासन ने अयोध्या सहित अन्य धार्मिक शहरों के लिए अलवर से रोडवेज बस सेवा शुरू की थी।जिससे अलवर जिलेवासी अयोध्या तक यात्रा कर लेते थे।लेकिन इस बस सेवा को अचानक बन्द कर दिया गया। अधिकारियों का कहना है कि बस स्टाफ की कमी है जैसे ही स्टाफ की पूर्ति होगी रोडवेज बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। गर्मियों के सीजन में लोग वैष्णो देवी दर्शनों के लिए जाते हैं। इसे देखते हुए अलवर से जम्मू कटरा के लिए बस सेवा शुरू कर दी गई। लेकिन जैसे ही यात्री भार कम हुआ इस बस को भी बंद कर दिया गया। इसी तरह अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होने के बाद भी अलवर से कोई बस सेवा नहीं है।महाकुंभ के दौरान प्रयागराज के लिए बस सेवा शुरू की गई थी। अमृतसर देहरादून को जाने वाली बस को भी बंद कर दिया गया । गर्मी में रोडवेज का रेवेन्यू कम हो जाता है दोपहर के बाद लोग बसों से सफर करना पसंद नहीं करते हैं इन दोनों में 20 से 30% तक की कमी आई। हालांकि इस रेवेन्यू को बढ़ाया जा सकता है गर्मियों की छुट्टियों में ज्यादातर लोग परिवार सहित पहाड़ी क्षेत्रों में घूमने के लिए जाते हैं । कुलदीप शर्मा ने बताया की कुछ रोड पर बसें चलाने की योजना है। जयपुर मुख्यालय से स्वीकृति मिलने के बाद कुछ लंबे रूट पर बस चलाई जाएगी।

फास्ट फूड खाने के दौरान युवकों के दो ग्रुपों में आपस में हुई कहासुनी

एक युवक ने जान से मारने की नियत से देशी कट्टे से चलाई गोली, युवक की जांघ पर लगी गोली

सूचना मिलने पर थानाधिकारी संजय शर्मा मय पुलिस बल के मौके पहुँचे

मरुधर विशेष

कठूमर (दिनेश लेखी)। बहतुकला थाना पुलिस के धौलागढ में फास्ट फूड खाने के दौरान युवकों के दो ग्रुपों में कहासुनी के बाद शनिवार देर रात एक युवक ने दूसरे पक्ष के युवक पर जान से मारने की नियत से देशी कट्टे से गोली चला दी। गोली युवक की जांघ पर लगी। जिसे मंडावर दौसा में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। घायल युवक के जांघ में गोली आर पार निकल गई।

थानाधिकारी संजय शर्मा ने बताया कि भनोखर निवासी धर्मसिंह मीणा पुत्र खुशीराम मीणा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि भनोखर स्थित पंडत जी फास्ट फूड की दूकान पर मैं और मेरे साथी पप्पू व गाजी फास्ट-फूड खा रहे थे कि तभी वहां जोगेन्दर, पहलवान, थान सिंह निवासी कासगंज आए और हमसे कहासुनी कर मारपीट की। किसी तरह छुड़ाकर हम अपने घर चले गए। बाद में अलग अलग नम्बरों से आरोपियों ने हमें जान से मारने की धमकी दी।

रात्रि को साढ़े नौ बजे मैं और मेरे साथी ज्ञान सिंह, पप्पू, पिंटू के साथ मित्र की शादी में जाने के लिए भनोखर रोड पर खड़ा था कि जोगिंदर, पंछी, थान सिंह आदि आठ नौ जनों ने जान से मारने की नियत से देशी कट्टे से फायर कर दिया। गोली मेरी जांघ में लगी। गोली मारने के बाद सभी आरोपी भाग गये।

सूचना मिलने पर थानाधिकारी संजय शर्मा मय पुलिस बल के मौके पर पहुंचे। और घायल धर्म सिंह मंडावर जाकर इलाज कराया और रविवार को पुलिस ने घायल का जटवाड़ा सीएचसी पर मेडिकल कराया।

अंतरराष्ट्रीय मनवाधिकार सामाजिक न्याय आयोग के "राजस्थान जनसंपर्क कार्यालय" एवं "लोक शिकायत निवारण केंद्र" का उद्धाटन समारोह, समीक्षा बैठक एवं 4 सत्रीय कार्यक्रम का राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा इंटरनैशनल सोशल सेलिब्रिटी मा.डॉ.संतोष बजाज एवं राष्ट्रीय गवर्निंग बोर्ड की प्रमुख उपस्थिति में भव्यता से हुआ समापन.

समीक्षा बैठक में अपने अधिकारों की जागरूकता के लिए तथा मानवाधिकार एवं मौलिक अधिकारों को राजस्थान के हर घर तक पहुंचाने का संकल्प लेते हुए भविष्य की परियोजना, कार्यप्रणाली पर चर्चा की गई एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह 2025 के भव्य कार्यक्रम को जयपुर में सफलता के साथ संपन्न करने की घोषणा की गई.

मरुधर विशेष

दिनेश राजस्थान/जयपुर अंतरराष्ट्रीय मनवाधिकार सामाजिक न्याय आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा इंटरनैशनल सोशल सेलिब्रिटी मा.डॉ.संतोष बजाज के नेतृत्व, परवानगी व इनके कर कमलों से तथा राजस्थान के प्रसिद्ध समाजसेवी व राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष श्री रामजीलाल बैरवा के अथक प्रयत्नों से "राजस्थान जनसंपर्क कार्यालय" एवं "लोक शिकायत निवारण केंद्र" का उद्धाटन दिनांक 13 मई 2025 मंगलवार को जयपुर के दुर्गापुरा क्षेत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा इंटरनैशनल सोशल सेलिब्रिटी मा.डॉ.संतोष बजाज एवं राष्ट्रीय गवर्निंग बोर्ड से राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मा.सुरेश कुमार के शुभहस्ते किया गया. कार्यक्रम का आयोजन 6 सत्रो में किया गया

जिसके प्रथम सत्र में कार्यालय का फीता काटकर उद्धाटन किया गया और आयोग व कार्यालय चालन की संपूर्ण जानकारी दी गई. दूसरे सत्र में पधारे सभी सदस्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया जिसमें मानवाधिकारो व अपने मौलिक अधिकारों को हर घर तक पहुंचाने का संकल्प लेते हुए आयोग के कार्यप्रणाली एवं अन्य कई मुद्दों पर चर्चाएं की गई. तीसरे सत्र में नए संगठन "भारतीय दिव्यांग आयोग" के राष्ट्रीय गवर्निंग बोर्ड की घोषणा की गई. चौथे सत्र में पदग्रहण समारोह का आयोजन किया गय. पांचवें सत्र में "अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह 2025" के भव्य कार्यक्रम को जयपुर में

सफलता के साथ संपन्न करने की घोषणा की गई और छठवें सत्र मे अल्पाहार के साथ आभार प्रदर्शन प्रदेश मुख्य महासचिव भंवरलाल बैरवा (से.नि. आई.ए.एस) द्वारा किया गया. कार्यक्रम में विशेष अतिथि बतौर प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य जयश्री शर्मा व प्रसिद्ध समाजसेविका ललिता सोनी उपस्थित रही और रामेश्वर गोठवाल आरटी लेखा अधिकारी पीडब्ल्यूडी), रूप नारायणजी (आरटी मुख्य अभियंता पीडब्ल्यूडी), किशन लाल बैरवा (रिटा. सिद्धांत), प्रहलादजी सिविल ठेकेदार, किशोरजी राजपूत;राजकुमार जैन, मुलायम सिंह मीना, जयदीप, अनिल मिश्रा, नीटू नागर, महेश महावर, शंभू सैनी , सुरज्ञान मीना, जसवन्त मीना, उधम सिंह मीना, रवि लोधवाल, आशीष, करण बैरवा, राम लाल, डेराज शिघ, हेमन्त गौतम, हेमन्त मीना, मोहित गुप्ता, रामप्रसाद खटीक, शिरा लाल बैरवा सपना मीना, चेतन मीना आदि सदसगणो ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाकर कार्यक्रम सफल बनाया.

मरुधरहिंद 24 न्यूज़ प्राइवेट लिमिटेड के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित,। मो. 9653906665, , (राजस्थान संपादक विशाल यादव 8875020583) (राजस्थान सहसंपादक सुनील कुमार 98878 77947) 7014373732